आज का विचार

खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शनिवार, 28 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 51, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

युवाओं ने अपनी मेहनत, सोच और नए प्रयोगों से भारत को बना दिया स्टार्टअप का बड़ा केंद्र : ओम बिरला

इंदौर में वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए लोकसभा अध्यक्ष, विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आज हमारे नौजवानों ने स्टार्टअप की एक नई दुनिया खड़ी कर दी है। अपनी मेहनत, सोच और नए प्रयोगों के दम पर उन्होंने भारत को स्टार्टअप का बड़ा केंद्र बना दिया है। अब हमारे युवा सिर्फ सपने नहीं देख रहे, बल्कि अपने नए विचारों से दुनिया की समस्याओं का हल भी दे रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिरला शुक्रवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम का प्रारंभ वंदे मातरम्, राष्ट्रगान, पारंपरिक दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे समाजहित के कार्यों ने उन्हें इस समारोह में आने के लिए प्रेरित किया। डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्थान में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का प्रगतिशील भविष्य पूरी तरह से युवाओं की ऊर्जा और उनके विजन पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि यह बदलते और विकसित भारत के निर्माण का कालखंड है। आज दुनिया के सभी देश भारत की ओर देख रहे हैं। हमारे नौजवानों की ताकत दुनिया में बढ़ रही है और हमारे जनसांख्यिकीय विभाजन पर दुनिया की नजर है। हमारे नौजवानों ने स्टार्टअप की नई दुनिया शुरू कर दी है, भारत को स्टार्टअप बना

दिया और और अपने नवाचार के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं।

बिरला ने इंदौर की इस शिक्षा और संस्कार की पावन धरती से देशभर के विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी भारतीय संस्कृति, अपने मूल्यों और अपनी सोच को साथ लेकर आगे बढ़ें और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने में अपना पूरा योगदान दें। विश्वविद्यालय कैंपस में आपने जो सीखा है, ज्ञानार्जन किया है, उसका सदुपयोग कर नवभारत के निर्माण में जुट जाएं।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी ने विधिवत रूप से समारोह के उद्घाटन की घोषणा की। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि सहित उपस्थित शिक्षकों, अभिभावकों और उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का अभिनंदन किया।

समारोह के दौरान कुलगुरु प्रो. (डॉ.) योगेश सी. गोस्वामी ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक यात्रा, बीते वर्ष में किए गए महत्वपूर्ण शोध कार्यों, विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के आंकड़ों और संस्थागत विकास की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विश्वविद्यालय निरंतर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कार्यक्रम में मौजूद इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और सामाजिक सेवा गतिविधियों की प्रशंसा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संस्थान विद्यार्थियों में स्वावलंबन की भावना विकसित करने का सराहनीय कार्य कर रहा है।प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही हर वैश्विक समस्या का एकमात्र स्थायी समाधान है और जीवन में एक सफल प्रोफेशनल बनने से पहले एक बेहतर इंसान बनना अनिवार्य है।

राज्यपाल का अभिभाषण विकसित हरियाणा के भविष्य का रोडमैप: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष को दिया करारा जवाब

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कांग्रेस को जमकर घेरा। उन्होंने बताया कि राज्यपाल द्वारा 20 फरवरी को दिया गया अभिभाषण राज्य की दशा व दिशा को व्यक्त करने वाला है। यह अभिभाषण हरियाणा के भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। एक ऐसे हरियाणा की, जो विकास, सुशासन, सामाजिक न्याय और समावेशी प्रगति के मार्ग पर दृढ़तापूर्वक अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभिभाषण विकसित हरियाणा के स्पष्ट रोडमैप को दिखाता है, और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को भी दिखाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि यहां असहमति को भी सम्मान मिलता है, लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह भी आवश्यक है कि सरकार के जनकल्याण व विकास कार्यों की सराहना भी की जानी चाहिए।

उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विपक्ष ने सरकार की आलोचना करने के लिए केवल रटी-रटाई बातें बोली हैं, कोई तथ्यात्मक बात नहीं रखी। सरकार के कल्याणकारी कार्यों से प्रदेश की जनता प्रभावित हुई और हमें लगातार तीसरी बार जनसेवा का मौका दिया। वंदे मातरम्पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बड़े गर्व की बात है कि इस बार के बजट अधिवेशन की शुरूआत वंदे मातरम्गीत से हुई।

विपक्षी सदस्यों द्वारा वंदे मातरम्गीत पर की गई टीका-टिप्पणी पर मुखर होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् हमारे राष्ट्र की आत्मा है, हमारी सांस्कृतिक चेतना है और हमारी स्वतंत्रता की तपस्वी यात्रा का स्मरण है। यह हमारे संघर्ष और स्वाभिमान की 150 वर्ष की लंबी गाथा है।

वंदे मातरम राष्ट्रभक्ति, त्याग और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम ऐसे कालखंड में खड़े हैं, जब राष्ट्र अपने इतिहास के कई गौरवशाली अध्यायों को एक साथ स्मरण कर रहा है। हाल ही में, संविधान के 75 गौरवपूर्ण वर्ष पूरे हुए हैं। देश सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहा है, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहा है और श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को श्रद्धापूर्वक नमन कर चुका है। इन सभी स्मृतियों के बीच वंदे मातरम्के 150 वर्ष हमें यह याद दिलाते हैं कि भारत की आत्मा केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान से भी बनी है। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम्गीत 7 नवंबर, 1875 को सार्वजनिक हुआ। इसके बाद वंदे मातरम राष्ट्रभक्ति, त्याग और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बन गया, जिसने हमारे आजादी के आंदोलन का रास्ता प्रशस्त किया। वर्ष 1907 में कलकत्ता में वंदे मातरम् नाम का अंग्रेजी अखबार शुरू हुआ, जिसके संपादक महर्षि अरविंद थे। उस समय ब्रिटिश सरकार ने उसे सबसे खतरनाक राष्ट्रवादी पत्र माना और श्री अरविंद पर राजद्रोह का मुकदमा चलाते हुए उन्हें सजा दी। वर्ष 1896 में गुरुदेव टैगोर ने पहली बार कांग्रेस के अधिवेशन में वंदे मातरम् को सार्वजनिक रूप से गाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1905 में वाराणसी अधिवेशन में महान कवयित्री सरला देवी चौधरानी ने पूर्ण वंदे मातरम् का गान किया। गुलामी के कालखंड के दौरान जब वर्ष 1936 के बर्लिन ओलंपिक में हमारी हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता, तब भी भावपूर्ण तरीके से वंदे मातरम् का गान किया गया। 15 अगस्त, 1947 को जब देश आजाद हुआ, तब सुबह साढ़े 6 बजे सरदार पटेल के आग्रह पर पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने आकाशवाणी से अपने मधुर स्वर में वंदे मातरम् का गान कर देश को भावुक कर दिया। मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि 24 जनवरी, 1950 को संविधान सभा की अंतिम बैठक में वंदे मातरम्को राष्ट्रगान के बराबर सम्मान देते हुए राष्ट्रीय गीत घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम की यात्रा जितनी गौरवपूर्ण है, उतनी ही संघर्षपूर्ण भी रही है।

राष्ट्रपति ने जैसलमेर एयर फोर्स स्टेशन से स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड में भरी उड़ान

उड़ान के दौरान 'वायु शक्ति' अभ्यास क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी किया

एजेंसी (हि.स.)
जैसलमेर

भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार सुबह जैसलमेर एयर फोर्स स्टेशन से स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरकर इतिहास रच दिया। हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की जरूरत को देखते हुए वायु सेना में शामिल किये गए एलसीएच 'प्रचंड' से पाकिस्तान और चीन के खिलाफ भारतीय वायु सेना और मजबूत हुई है। इससे पहले राष्ट्रपति लड़ाकू विमान राफेल और सुखोई में उड़ान भर चुकी हैं।

मल्टी रोल वाले हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' की जोधपुर में पहली 'धनुष' स्क्वाड्रन बनाई गई है। भारतीय सेनाओं की भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विशेष तौर पर तैयार किये गए यह हेलीकॉप्टर दुर्गम स्थानों और सघन पर्वतीय क्षेत्रों में भी कारगर हैं। इसे कई तरह के बड़े बम, बंदूकों और मिसाइलों से लैस किया जा सकता है। हवा में उड़ान भरते वक्त और दुश्मन को चकमा देते वक्त भी अपाचे हेलीकॉप्टर पहाड़ियों और घाटियों में छिपे दुश्मन पर सटीक निशाना लगा सकता है। अचूक निशाने की वजह से हेलीकॉप्टर के गोला-बारूद बर्बाद नहीं होते हैं। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स

लिमिटेड में निर्मित प्रचंड पूरी तरह भारत में बनाया गया लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) है। इसे खासतौर पर ऊंचे पहाड़ों लद्दाख, सियाचिन जैसे इलाकों के लिए डिजाइन किया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मु शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय वायु सेना के शक्तिशाली फायरपावर 'वायु शक्ति' अभ्यास देखने के लिए आईं थीं। इसी दौरान उन्होंने स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर में उड़ान भरी। यह पहली बार है जब किसी राष्ट्रपति ने एलसीएच 'प्रचंड' में उड़ान भरी है। उन्होंने उड़ान के दौरान 'वायु शक्ति' अभ्यास क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी किया। शाम को राष्ट्रपति पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय वायु सेना के सबसे बड़े फायरपावर प्रदर्शन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं।

मुर्मु ने 29 अक्टूबर 2025 को अंबाला (हरियाणा) स्थित वायु सेना स्टेशन से राफेल विमान में उड़ान भरी थी। उन्होंने लगभग 30 मिनट की उड़ान में लगभग 200 किलोमीटर की दूरी तय की, उसके बाद वे वायु सेना स्टेशन लौट आईं। विमान को 17 स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी ने उड़ाया। विमान ने समुद्र तल से लगभग 15000 फीट की ऊंचाई पर और लगभग 700 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ान भरी। इससे पहले उन्होंने 2023 में सुखोई 30 एमकेआई में उड़ान भरी थी। वायु सेना के दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली वह भारत की पहली राष्ट्रपति हैं।

बंगाल में 02 मार्च को भाजपा की परिवर्तन यात्रा की शुरूआत करेंगे अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रस्तावित परिवर्तन यात्रा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भागीदारी एक दिन के लिए टाल दी गई है। अब वह 01 मार्च के बजाय 02 मार्च को दक्षिण 24 परगना जिले के रायदीघी से यात्रा की शुरूआत करेंगे।

पहले कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री को 01 मार्च को रायदीघी से परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखानी थी। हालांकि पार्टी सूत्रों के अनुसार 01 मार्च को उन्हें मुंबई में गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम में

शामिल होना है। इसी कारण रायदीघी का कार्यक्रम एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया।

परिवर्तित कार्यक्रम के तहत अमित शाह एक मार्च की रात करीब 10 बजे मुंबई से कोलकाता पहुंचेंगे। इसके बाद दो मार्च को पूर्वाह्न लगभग 11:15 बजे विशेष हेलीकॉप्टर से रायदीघी के लिए रवाना होंगे और दोपहर करीब 12 बजे परिवर्तन यात्रा के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे।

भाजपा के राज्य स्तरीय नेताओं के अनुसार पश्चिम बंगाल में पार्टी के कुल 10 सांगठनिक प्रभाग हैं, जिनमें से नौ को परिवर्तन यात्रा के तहत शामिल किया जाएगा। राज्य की राजधानी कोलकाता से किसी भी यात्रा की शुरूआत नहीं होगी।

अमित शाह के अलावा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी अलग-अलग चरणों में इस अभियान में शामिल होंगे। इनमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शामिल हैं।

राष्ट्रीय बजट अल्पकालिक व्यापार दस्तावेज नहीं, नीतिगत रोडमैप : प्रधानमंत्री

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बजट का आकलन उसके प्रत्यक्ष लाभ या प्रभाव से नहीं बल्कि इसमें निहित नीतिगत प्रयासों से होना चाहिए। असल में राष्ट्रीय बजट कोई अल्पकालिक व्यापार दस्तावेज नहीं होता है। यह एक नीतिगत रोडमैप होता है। ऐसे में बजट की प्रभावशीलता का आकलन ठोस पैरामीटर्स पर किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री आज वीडियो कांफ्रेंसिंग से बजट बाद वेबिनार- ह्वविकसित भारत के लिए टेक्नोलॉजी, सुधार और फाइनेंसह्व को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट को ढांचागत सुविधाओं के विस्तार, धन प्रवाह, जीवन जीने में आसानी, पारदर्शिता के साथ शासन और लोगों के लिए नए-नए अवसर बनाने की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश रिफोर्म एक्सप्रेस पर सवार है। इस प्रवाह को बनाए रखने के लिए हमें नीतिगत मंशा और उससे हासिल उपलब्धि पर भी फोकस करना है।

उन्होंने कहा कि हमें एआई, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स का व्यापक उपयोग कर पारदर्शिता, गति और जवाबदेही बढ़ानी ही होगी और साथ ही

शिकायत निवारण प्रणालियों से प्रभाव की निरंतर निगरानी भी करनी होगी।

प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को सरकार के ढांचागत सुविधाओं में निवेश का लभा उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में ढांचागत सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट 2 लाख करोड़ से बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया है। इतने बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश निजी क्षेत्र के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है कि उद्योग और वित्तीय संस्थान भी नई ऊर्जा के साथ आगे आएं।

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि परियोजनाओं की मंजूरी और मूल्यांकन प्रक्रिया को मजबूत करना जरूरी है, ताकि समय और पैसा बर्बाद न हो। लागत-लाभ और पूरी अवधि की लागत पर ध्यान देना चाहिए। बॉन्ड बाजार में सुधार कर दीर्घकालीन विकास, स्थिरता और विदेशी निवेश बढ़ाया जा सकता है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौते से वस्त्र उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा: सीपी राधाकृष्णन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौता वस्त्र उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा।सीपी राधाकृष्णन ने यह बात आज तमिलनाडु के सलेम स्थित भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) के नवनिर्मित शैक्षणिक भवन का उद्घाटन के अवसर पर कही। इस अवसर पर उन्होंने भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत को तकनीक के साथ जोड़ने और इसे भविष्य के लिए तैयार एक 'रचनात्मक उद्योग' बनाने पर जोर दिया।

उपराष्ट्रपति ने हथकरघा को भविष्य के लिए तैयार रचनात्मक उद्योग में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि आईआईएचटी सलेम स्वदेशी शिल्प कौशल और आधुनिक वस्त्र विज्ञान के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। पारंपरिक ज्ञान को समकालीन तकनीक के साथ मिलाकर संस्थान ने उत्पादकता बढ़ाई है गुणवत्ता मानकों में सुधार किया है और बाजार-उन्मुख उत्पादन को सक्षम बनाया है।साथ ही हाथ से बुने हुए वस्त्रों की प्रामाणिकता को भी संरक्षित किया है।

भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वाराणसी के रेशमी ब्रोकेड, बंगाल के जामदानी असम के मूगा रेशम कश्मीर के कानी शॉल आंध्र प्रदेश के वेंकटगिरी और मंगलगीरी बुनाई से लेकर मध्य प्रदेश की माहेश्वरी और चंदेरी साड़ियों तक भारतीय हथकरघा उत्पादों ने अपनी शिल्प कौशल और सांस्कृतिक विरासत के लिए वैश्विक मान्यता अर्जित की है।

उन्होंने तमिलनाडु की जीवंत बुनाई परंपराओं को भी रेखांकित किया जिनमें चेट्टीनाडु कंडांगी साड़ियां कांचीपुरम रेशम

अरानी रेशम थिरुबुवनम रेशम चेन्निमलाई कंबल नागरकोइल वेष्टि तौलिए और मदुरै सुंगुडी साड़ियां शामिल हैं। इस क्षेत्र की वृद्धि पर भरोसा जताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सलेम से यूरोपीय संघ को होने वाले वस्त्र निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। अंबूर से चमड़े के निर्यात में भी काफी वृद्धि होने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 56 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते न केवल वस्त्र क्षेत्र को लाभ पहुंचाएंगे बल्कि चमड़ा और अन्य विनिर्माण उद्योगों जैसे संबद्ध क्षेत्रों के लिए भी विकास के अवसर पैदा करेंगे।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि आईएचटी सलेम में नए अकादमिक ब्लॉक का उद्घाटन केवल एक इमारत का उद्घाटन नहीं है बल्कि बुनकरों को सशक्त बनाने और हथकरघा क्षेत्र का आधुनिकीकरण करने की दृष्टि को सुदृढ़ करने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सादगी परंपरा और प्रौद्योगिकी का संगम 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक सामूहिक कदम है।

इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने सलेम स्थित भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान के मेधावी छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

उपराष्ट्रपति ने आईआईएचटी में आयोजित एक प्रदर्शनी का भी दौरा किया जहां देश भर के हथकरघा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया था।

इसका मुख्य उद्देश्य संस्थागत बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और शिक्षण अनुसंधान और कौशल विकास के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान छात्रों में नवाचार उद्यमिता और उद्योग-अनुकूल दक्षताओं को बढ़ावा देना है।

इस भवन में आधुनिक इंटरैक्टिव कक्षाएं एक सुसज्जित पुस्तकालय और डिजिटल पुस्तकालय एक सेमिनार हॉल संकाय कक्ष प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं और एक बोर्ड रूम हैं। साथ ही इसमें 11 भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थानों के लिए परीक्षा नियंत्रक का कार्यालय और अन्य आवश्यक शैक्षणिक और प्रशासनिक सुविधाएं भी हैं।

इस अवसर पर पर्यटन राज्य मंत्री आर. राजेंद्रन, सांसद टी.एम. सेल्वगनपति, सांसद एस.आर. शिवलिंगम, विधायक श्री ई. बालासुब्रमण्यम और वस्त्र मंत्रालय में विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम. बीना (आईएएस) उपस्थित रहीं।

नए मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट करने से पहले देंगे सभी आधुनिक मशीनें: मुख्यमंत्री

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को हमीरपुर जिला के नादौन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर के डॉक्टरों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज आप सभी की बात सुनने आया हूं ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि वे चिकित्सकों के साथ इसी तरह से संवाद पहले आईजीएमसी शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज में भी कर चुके हैं, ताकि चिकित्सकों के सुझावों को नीति में शामिल किया जा सके और मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज सिर्फ रैफरल स्वास्थ्य संस्थान बने हैं लेकिन इनमें सुधार करके प्रदेश में ही लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल सुविधाओं में सुधार के लिए हाई-एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी ला रही है। उन्होंने कहा कि समय बदल रहा है और हमें जमाने के साथ चलना होगा। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ रुपये की लागत से हमीरपुर मेडिकल कॉलेज के लिए ऑटोमेटेड लैब भी स्वीकृत की गई है। राज्य सरकार डायग्नोस्टिक सेवाओं को मजबूत कर रही है। भविष्य में हमीरपुर कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक और डेंटल कॉलेज भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में जल्द ही रोबोटिक सर्जरी की सुविधा भी शुरू की जाएगी। मेडिकल कॉलेज को नए भवन में शिफ्ट करने से पहले सभी आधुनिक मशीनें वहां उपलब्ध करवा दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ के पदों को भर रही है और आवश्यकतानुसार अन्य पद भी सृजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक सुरेश कुमार व कै. रणजीत सिंह, पूर्व विधायक अनीता वर्मा, कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन रामचंद्र पठानिया, हिमाचल प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, एपीएमसी हमीरपुर के चेयरमैन अजय शर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती, कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पिंदर वर्मा, सुभाष ढटवालिया, रूबल ठाकुर, सचिव एम सुधा देवी और आशीष सिंघमार, उपायुक्त गंधर्व राठौर, पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

चिट्टा तस्करी में पंजाब से मुख्य सरगना गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ अपनी व्यापक कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए रोहडू के चर्चित चिट्टा तस्करी मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस नेटवर्क के मुख्य संचालक को पंजाब के फिरोजपुर से गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से अंतरराज्यीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

पुलिस के अनुसार रोहडू में 2 फरवरी 2026 को दर्ज एफआईआर के तहत मेहंदली पुल के पास पंजाब के दो युवकों जशनदीप सिंह और धर्मप्रीत सिंह को 83 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ पकड़ा गया था। शुरूआती जांच के बाद पुलिस ने सप्लाई चेन में जुड़े चार और लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें आशीष चौहान (24) निवासी खशधार चिड़गांव, नवीन शिट्टा (31) निवासी गोक्सवारी चिड़गांव, दीवान चंद (39) निवासी सुंधा चिड़गांव और विजेंद्र सिंह उर्फ छोटू (35) निवासी सुंधा भौंडा चिड़गांव शामिल हैं, जिसे पुलिस ने इस नेटवर्क का बड़ा डिस्ट्रीब्यूटर बताया था।

जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने जशनदीप सिंह के बैंक खातों का विश्लेषण किया। इसमें पिछले चार महीनों में करीब 18 लाख रुपये के लेन-देन का पता चला। विस्तृत वित्तीय जांच और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने की कोशिश की। जांच में सामने आया कि जशनदीप स्थानीय संपर्कों और मुख्य सप्लायर से व्हाट्सएप के जरिए जुड़ा हुआ था, जबकि मुख्य सप्लायर वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल कर रहा था।

बैंक लेन-देन और व्हाट्सएप रिकॉर्डके बैकवर्ड विश्लेषण के बाद पुलिस ने इस नेटवर्क के कथित सरगना हरदीप सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी फिरोजपुर शकूर, जिला फिरोजपुर (पंजाब) की पहचान की।शिमला पुलिस की टीम ने फिरोजपुर पुलिस के सहयोग से उसे पंजाब से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक हरदीप सिंह लवर्चुअल नंबर के जरिए पूरे चिट्टा सप्लाई नेटवर्क को संचालित कर रहा था और जशनदीप सिंह के साथ उसके कई वित्तीय लेन-देन भी सामने आए हैं। हरदीप के बैंक खाते की जांच में पिछले सात महीनों में करीब 28 लाख रुपये के लेन-देन का खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि इन लेन-देन में कई अन्य लोगोंकी संलिप्तता भी सामने आई है, जिन्होंने चिट्टा खरीदने के लिए पैसे भेजे थे। संबंधित व्यक्तियों के रिकॉर्ड जुटाए जा रहे हैं और उनकी भूमिका की जांच जारी है।

इस मामले में अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है किजांच हर पहलू से आगे बढ़ाई जा रही है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक भी कार्रवाई पहुंच सकती है।

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि इस वर्ष अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 56 मुकदमे दर्ज किए गए हैं और 111 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने कहा कि नशा तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

शादी के नाम पर लाखों की ठगी, पांच दिन बाद दुल्हन फरार, निष्पक्ष जांच व खर्च की भरपाई की मांग

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

हमीरपुर जिला की ग्राम पंचायत ब्राह्ड़ी के तहत आने वाले डुढाणा गांव में शादी के नाम पर लाखों रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है और शादी में हुए खर्च की भरपाई की मांग की है। मामले को लेकर परिवार ने एसपी हमीरपुर से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। जानकारी के अनुसार डुढाणा निवासी संजय कुमार की शादी अगस्त 2025 में लुधियाना के मछीवाड़ा क्षेत्र में एक बिचौलिए के माध्यम से करवाई गई थी। परिवार का आरोप है कि शादी पर पांच लाख रुपये से अधिक खर्च किए गए, जबकि बिचौलिए को डेढ़ लाख रुपये नकद दिए गए थे। शादी के बाद दुल्हन महज चार से पांच दिन ही ससुराल में रही और छठे दिन किसी बहाने से घर से चली गई। जाते समय उसने एक-दो दिन में लौटने का आश्वासन दिया, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं आई।

वहीं संजय कुमार ने कहा कि जब दुल्हन नहीं लौटी तो उन्होंने बिचौलिए से संपर्क किया। आरोप है कि बिचौलिए ने जिम्मेदारी लेने के बजाय दूसरी लड़की से शादी करवाने की बात कही। पीड़ित के अनुसार बिचौलिए के कहने पर वे पांच से छह बार मछीवाड़ा गए, लेकिन हर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगी। इन यात्राओं पर करीब 60 हजार रुपये अतिरिक्त खर्च हो गए। पीड़ित संजय कुमार ने कहा कि उसे शादी के नाम पर लूटा गया है। उनका कहना है कि अब उन्हें दुल्हन की वापसी नहीं चाहिए, बल्कि शादी में खर्च की गई पूरी राशि वापस दिलवाई जाए। आर्थिक रूप से सामान्य परिवार होने के कारण यह राशि उनके लिए बड़ी है और इस घटना से परिवार पर आर्थिक व मानसिक दबाव बढ़ गया है।

संजय कुमार की माता निर्मला देवी ने बताया कि बेटे की शादी बड़े अरमानों के साथ की गई थी, लेकिन कुछ ही दिनों में बहू अपने रिश्तेदारों के साथ चली गई। इसके बाद से परिवार को सामाजिक असहजता और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले में शीघ्र कार्रवाई कर न्याय दिलाया जाए।

जगत सिंह नेगी ने पीसीडीओ व शिवा क्लस्टर इकाई डूंगीसेर का किया निरीक्षण

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं लोक शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी जिला सिरमौर के प्रवास कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार को तहसील ददाहू में आयोजित राजस्व लोक अदालत में विशेष रूप से शामिल हुए। इसके उपरांत उन्होंने शिरूमाईला में फल पौध एवं प्रदर्शन केंद्र (पीसीडीओ) और एचपी शिवा क्लस्टर इकाई डूंगीसेर का निरीक्षण भी किया। राजस्व मंत्री ने लोक अदालत में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की भूमि विवाद, इंतकाल, तकसीम, निशानदेही और राजस्व रिकॉर्ड सुधार मामलों संबंधी जानकारी ली तथा उन्होंने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राजस्व लोक अदालत प्रदेश सरकार की एक विशेष और जन-हितैषी पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को राजस्व से जुड़े भूमि संबंधी मामलों का त्वरित, सरल और सुलह-आधारित समाधान प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि राजस्व लोक अदालत को पारंपरिक राजस्व अदालतों की तुलना में कम खचीर्ला, कम औपचारिक और जल्दी निपटान वाला मंच बनाया गया है ताकि आम लोगों के लंबित विवादों का जल्द समाधान हो सके। उन्होंने फल पौध एवं प्रदर्शन केंद्र शिरूमाईला के निरीक्षण दौरान विभाग द्वारा लोगों के प्रदर्शन हेतु लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के पोधों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को मौसम आधारित फलदार पोधे लगाने के लिए कहा ताकि उन प्रजातियों से प्रेरित होकर क्षेत्र के बागवान अपनी आर्थिकी को सुदृढ़ बना सकें। उन्होंने कहा कि एचपी-शिवा परियोजना के तहत पौधारोपण, उच्च-घनत्व बागवानी तकनीकों, सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं, सौर बाड़बंदी, पैक-हाउस एवं फल प्रोसेसिंग यूनिट समेत उत्पाद को बाजार तक पहुंच का प्रावधान किया गया है। इन सभी का उद्देश्य उत्पादन, गुणवत्ता और बाजार मूल्य को एक साथ जोड़ना है, जिससे किसानों को पूर्ण आर्थिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन से हिमाचल प्रदेश के बागवानी व्यवसाय तथा कृषि-उत्पादन को नई दिशा मिलेगी और देश भर के बाजार में प्रदेश के उत्पादों की पहचान बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के बागवानों को सिंचाई और फल उत्पादन के मूल्य-संयोजन के माध्यम से कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, रोजगार सृजन करने और ग्रामीण समुदायों की आजीविका में दीर्घकालिक सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त-समाचार

विकास परियोजनाओं की सतत निगरानी जरूरी, कोताही बर्दाश्त नहीं : मुकेश अग्निहोत्री

ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने ऊना जिले में निमार्णाधीन प्रमुख विकास परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध समीक्षा के निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। जिला परिषद सभागार में शुक्रवार को आयोजित जिला जन शिकायत निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्यों की प्रत्यक्ष निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर के निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों में देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मंदिर कागजों पर नहीं, धरातल पर बनना चाहिए। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की प्रसाद योजना के तहत 56 करोड़ रुपये और जिला प्रशासन के 75 करोड़ रुपये उपलब्ध होने के बावजूद अपेक्षित प्रगति न होने पर उन्होंने समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों के विकास मॉडल का अध्ययन कर नवाचार अपनाने को कहा। मंदिर परिसर में सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, रेन शेल्टर और बाजार क्षेत्र में बिजली की तारों को अंडरग्राउंड करने के निर्देश भी दिए गए। उपमुख्यमंत्री ने लगभग 100 करोड़ रुपये की श्री माता चिंतपूर्णी रोपवे परियोजना को शीघ्र शुरू करने पर बल दिया। इसके अतिरिक्त पंडोगा में वनखंडी माता मंदिर हेतु 12 करोड़ रुपये की रोपवे परियोजना को अक्टूबर तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले में निमार्णाधीन पुलों को प्राथमिकता से पूरा करने, ह्यमिसिंग लिंकह्ल समाप्त करने तथा ऊना-संतोषगढ़ मार्ग पर स्थायी पुल निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए गए। जल प्रबंधन पर चर्चा करते हुए उन्होंने 600 ट्यूबवेलों के जीर्णोद्धार हेतु समेकित डीपीआर तैयार कर वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजने को कहा, ताकि पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ हो सके।

सरकार ने एचएस सुंगल हेडमास्टर के खिलाफ जांच अधिकारी किया नियुक्त

जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने एचएस सुंगल के हेडमास्टर और अखनूर के गवर्नमेंट हाई स्कूल सुंगल के तत्कालीन हेडमास्टर कमल जीत के खिलाफ कदाचार के आरोपों की जांच के लिए एक जांच अधिकारी नियुक्त किया है। सरकारी आदेश के अनुसार, जम्मू/सांबा/कठुआ रेंज के स्कूल शिक्षा के संयुक्त निदेशक गुरदेव कुमार को अधिकारी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए नामित किया गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू मामले में प्रस्तुतीकरण अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। जांच अधिकारी को आदेश जारी होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर सिफारिशों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

ईपीएफओ ने औद्योगिक इकाइयों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से अधिकाधिक जुड़ने का दिया आान

जम्मू। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने प्रमुख जनसंपर्क कार्यक्रम निधि आपके निकट 2.0 की तीसरी वर्षगांठ सांबा स्थित गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के परिसर में आयोजित की। इस अवसर पर सांबा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के साथ एक बैठक भी हुई जिसका उद्देश्य हितधारकों में जागरूकता बढ़ाना और जमीनी स्तर पर सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 सुमीत सिंह ने प्रवर्तन अधिकारियों की टीम के साथ की। उन्होंने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के साथ सक्रिय संवाद की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक सुरक्षा ढांचे में पारदर्शिता, अनुपालन और विश्वास को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को केंद्र सरकार की प्रमुख पहलों की जानकारी दी गई। बताया गया कि ह्याकर्मचारी नामांकन योजना 2025ह्ल (1 नवंबर 2025 से 30 अप्रैल 2026 तक प्रभावी) के माध्यम से प्रतिष्ठानों को पात्र कर्मचारियों का पंजीकरण और लंबित अभिलेखों का सरलीकृत नियमितीकरण करने का अवसर मिलेगा। साथ ही आगामी चार श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई, जो श्रम कानूनों के आधुनिकीकरण, सुरक्षित कार्यस्थल, निष्पक्ष वेतन और व्यापक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि जम्मू संभाग में 2,000 से अधिक प्रतिष्ठान और 28,500 से अधिक कर्मचारी इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत हो चुके हैं।

अभिजीत जसरोटिया ने महबूबा मुफ्ती और आगा रुहुल्लाह की कड़ी आलोचना की

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

डॉ. अभिजीत जसरोटिया का कहना है कि महबूबा मुफ्ती और आगा रुहुल्लाह को भारत की विदेश नीति पर उपदेश नहीं देना चाहिए। जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता डॉ. अभिजीत जसरोटिया ने आज महबूबा मुफ्ती और आगा रुहुल्लाह की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जिनका राजनीतिक प्रभाव श्रीनगर से शुरू होकर बिजबेहरा में समाप्त होता है उन्हें विदेश नीति के मामलों पर देश को उपदेश देने का प्रयास नहीं करना चाहिए। डॉ. अभिजीत जसरोटिया जम्मू-कश्मीर भाजपा के राज्य मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा के साथ जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। डॉ. जसरोटिया ने जोर देकर कहा कि भारत की विदेश नीति सभी देशों के लिए समान रूप से सुसंगत, सैद्धांतिक और मानवीय मूल्यों द्वारा निर्देशित है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत ने बार-बार वैश्विक जिम्मेदारी का प्रदर्शन किया है फिलिस्तीन को मानवीय सहायता और चिकित्सा आपूर्ति भेजने वाले पहले देशों में से एक होने से लेकर विनाशकारी भूकंप संकट के दौरान तुर्की को तत्काल सहायता प्रदान करने तक। उन्होंने आगे ईरान में बंदरगाह विकास जैसी अवसंरचना परियोजनाओं सहित विदेशों में भारत के विकासात्मक सहयोग और अफगानिस्तान और अन्य देशों को जरूरत के समय निरंतर समर्थन देने की ओर भी इशारा किया। जहां कहीं भी मानवीय संकट है, भारत मदद के लिए तत्पर है। आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख की पुष्टि करते हुए डॉ. जसरोटिया ने कहा कि निर्दोष लोगों की जान का नुकसान चाहे वह 26/11 मुंबई हमले हों या 7 अक्टूबर के आतंकी हमले आतंकवाद के उसी क्रूर चेहरे को दर्शाता है और भारत वैश्विक स्तर पर इससे लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता में अडिग है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ दीर्घकालिक रुख को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री बनने से पहले ही लाल चौक पर उनके दृढ़ संकल्प को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प कभी नहीं बदला है आतंकवादियों और उनके समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा। डॉ. जसरोटिया ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का वैश्विक दृष्टिकोण वसुधैव कुटुंबकम के सभ्यतागत आदर्श में निहित है जो विश्व को एक परिवार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि भारत का मानवीय दृष्टिकोण सभी देशों के प्रति समान रूप से विस्तारित है जिसमें इजरायल, फिलिस्तीन, ईरान, इराक, अफगानिस्तान और अन्य देश शामिल हैं जो उनके अनुसार सच्ची राजनेता का प्रतिनिधित्व करता है।

जम्मू में 1 मार्च को मनाई जाएगी फाल्गुन पूर्णिमा, व्रत व पूजा का विशेष महत्व

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू में फाल्गुन पूर्णिमा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य ने बताया कि फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को फाल्गुन पूर्णिमा कहा जाता है, जिसका सनातन धर्म में अत्यंत महत्व है। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 2 मार्च 2026 को सायं 5:56 बजे प्रारंभ होगी और 3 मार्च 2026 को सायं 5:08 बजे समाप्त होगी। हालांकि 3 मार्च को सूर्य उदय व्यापिनी पूर्णिमा तिथि के साथ सूतक और चंद्र ग्रहण दोपहर व शाम तक रहेगा। ग्रहण समाप्त होने तक पूर्णिमा तिथि भी समाप्त हो जाएगी इसलिए 2 मार्च 2026 को व्रत रखना अधिक शुभ और उचित माना गया है। महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि इस दिन विष्णु के श्री सत्यनारायण स्वरूप की कथा पढ़ना, सुनना या पूजा करवाना अत्यंत फलदायी होता है। साथ ही गणेश, शिव भगवान, माता पार्वती और चंद्रदेव की पूजा का भी विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। जम्मू के श्रद्धालु भी इस दिन प्रातःकाल स्नान कर पूजा-अर्चना करेंगे। यदि गंगा आदि पवित्र नदियों में स्नान संभव न हो तो घर पर स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करना और जरूरतमंदों को दान देना शुभ माना गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि इस दिन तामसिक भोजन, नशीले पदार्थों से दूर रहें, ब्रह्मचर्य का पालन करें और सात्विक आचरण अपनाएं, ताकि आध्यात्मिक लाभ के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सके।

आयोजन

महोत्सव मन को शिक्षित करेगा, शरीर को ऊजार्वान बनाएगा

देश के युवाओं में समाज और राष्ट्र को भविष्य की ओर ले जाने की असीम शक्ति है: उपराज्यपाल मनोज कुमार सिन्हा

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि युवाओं में समाज और राष्ट्र को भविष्य की ओर ले जाने की असीम क्षमता है। उन्होंने सतत विकास के लिए संतुलित मानसिकता और साहसी नवप्रवर्तकों को तैयार करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

उन्होंने कहा, ह्यसशक्त युवा ही भविष्य का निर्माण करते हैं और मेरा मानना है कि बौद्धिक गहराई, रचनात्मक शक्ति और नवोन्मेषी युवा नेतृत्व राष्ट्रीय प्रगति के लिए आवश्यक हैं। उपराज्यपाल जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अनूठे युवा महोत्सव ह्यगूंज 2026ह्ल के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। दो दिवसीय यह आयोजन विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं को एक भविष्य के निर्माण के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान करेगा। यह महोत्सव मन को शिक्षित करेगा, शरीर को ऊजार्वान बनाएगा और नवाचार को प्रज्वलित करेगा।

उपराज्यपाल ने कहा कि जब युवा अपने भीतर साहस की लौ प्रज्वलित करते हैं और अटूट विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं, तभी समाज और राष्ट्र के लिए नए रास्ते खुलते हैं। उन्होंने छात्रों से नवाचार को अपनाने, नए शोध करने, साहसिक प्रयोग करने और राष्ट्र निर्माण के द्वार खोलने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने कहा, ह्यअपनी परंपराओं का सम्मान करें, अपने अतीत का आदर करें और अपनी जड़ों से जुड़ें। ह्यइससे पहचान, आत्मविश्वास और आत्म-जागरूकता की गहरी भावना विकसित होगी, जिसे कोई भी कक्षा पूरी तरह से नहीं सिखा सकती। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है बल्कि ऐसे प्रबुद्ध नागरिकों का निर्माण करना है जो अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील हों।उपराज्यपाल ने कहा, ह्यसच्ची शिक्षा युवाओं को ऐसे नए उत्तर और समाधान खोजने के लिए तैयार करती है जिनकी दुनिया ने अभी तक कल्पना भी नहीं की है। छात्र केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए ही कैंपस में प्रवेश नहीं करते बल्कि संस्कृति का पोषण करने, नए विचारों का अन्वेषण करने, साहसिक मार्ग चुनने और साहसपूर्वक सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए प्रवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस गति से दुनिया बदल रही है वह लगभग समझ से परे है और तकनीकी विस्फोट ने चुपचाप शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों दोनों को समान रूप से बदल दिया है। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि वे अपने उच्च शिक्षा परिसरों को नए विचारों के निर्माण केंद्र बनाएं। ह्यप्रयास पाठ्यक्रम से आगे बढ़ना चाहिए। विभिन्न विषयों के बीच वास्तविक संवाद होना चाहिए। ह्यहर कक्षा में दिया जाने वाला हर व्याख्यान नई संभावनाओं का द्वार बने, उन्होंने कहा।

इस अवसर पर उपराज्यपाल ने जम्मू विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग की पहल ह्यजेयू वचन नामक पॉडकास्ट का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमेश राय, संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार, शोध अध्ययन की डीन प्रो. नीलू रोहमेट्रा, छात्र कल्याण डीन प्रो. प्रकाश अंथल, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

पद्म श्री डॉ. जितेंद्र उधमपुरी; पद्म श्री डॉ. एसपी वर्मा; पद्म श्री रोमालो राम; पूर्व डीजीपी अशोक भान और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख नागरिक भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

वृद्धावस्था पेंशन पर मुख्यमंत्री सैनी का विपक्ष पर तीखा हमला

कांग्रेस कार्यकाल पर उठाये सवाल, कहा: अपात्रों को पेंशन, बड़ा घोटाला

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वृद्धावस्था पेंशन को लेकर विपक्ष द्वारा रखी गई बातों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि विपक्षी बुजुर्गों की पेंशन काटने जैसे संवेदनशील विषय पर झूठ और भ्रम फैलाकर सस्ती राजनीति चमकाने में लगे हैं। सरकार किसी की पेंशन छीनने नहीं, बल्कि हर पात्र व्यक्ति तक उसका हक पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि विपक्षियों का क्या झूठ बोलकर राजनीति करना ही एकमात्र एजेंडा रह गया है?

मुख्यमंत्री शुक्रवार को विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान राज्यपाल अभिभाषण पर विपक्षियों द्वारा रखी गई बात पर जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी सरकार पारदर्शी सिस्टम लेकर आई है। जो लूट कांग्रेस के समय चलती थी, उसे उनकी सरकार ने रोका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 1 लाख 30 हजार मामलों में कुछ गलतियां मिलीं, जो उम्र, आय इत्यादि

से संबंधित थीं। इनकी पेंशन बंद नहीं की गई है। बल्कि, इन कमियों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को इतिहास भी याद रखना चाहिए। 1992 में कांग्रेस सरकार ने पहली बार 10 हजार रुपये की आय सीमा रखी और उस समय पेंशन 100 रुपये थी। वर्षों तक उन्होंने सीमा नहीं बदली। वर्ष 1992 से लेकर वर्ष 2009 तक कांग्रेस व इनेलो की सरकारों ने ना तो आय सीमा हटाई और ना ही कभी बढ़ाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बीजेपी सरकार ने वर्ष 2023 में आय सीमा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये की और लाभार्थियों की संख्या 17 लाख 98 हजार तक पहुंचाई। आज 20 लाख से ज्यादा बुजुर्ग पेंशन ले रहे हैं। अगर पेंशन काटी गई होती, तो यह संख्या कैसे बढ़ती? इस सवाल का जवाब कौन देगा?

उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार ने 11 साल में पेंशन को 1,000 से बढ़ाकर 3,200 रुपये मासिक किया है। यह सबसे बड़ी 2,200 रुपये की बढ़ोतरी है। यह बुजुर्गों के सम्मान का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के समय में 50 हजार से अधिक अपात्र लोगों को पेंशन देने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में वर्ष 2011 में वृद्धावस्था पेंशन घोटाला सामने आया था। उसके अनुसार 50 हजार से अधिक ऐसे लोगों की पेंशन जारी की गई, जो या तो अपात्र थे या स्वर्गवासी हो चुके थे। उन्होंने कहा कि उस समय 16 जिलों में 15 लाख 98 हजार 126 लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही थी। जब पेंशन लेने वालों को बैंक खाते खुलवाने के लिए कहा गया, तो केवल 11 लाख 44 हजार 98 लोगों ने ही खाते खुलवाए।

उन्होंने कहा कि विपक्षियों के समय में सिस्टम पूरी तरह जंग खा चुका था। अपात्रों को पेंशन मिल रही थी तथा पात्र लोग पेंशन बनवाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे थे। बीजेपी सरकार ने सिस्टम को पूरी तरह दुरुस्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन सहित सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन को पारदर्शी ढंग से पात्र लोगों तक पहुंचाने का काम किया है। विपक्षी दलों के समय में तो अपात्र लोग लाभ ले जाते थे और पात्र लोग वंचित रह जाते थे। प्रदेश की वर्तमान सरकार सेवा, संवेदना और सत्य की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र बुजुर्ग पेंशन से वंचित नहीं रहेगा। लेकिन जो लोग झूठ की दुकान चलाकर जनता को भ्रमित कर रहे हैं, उन्हें जनता की अदालत में जवाब देना होगा।

उपायुक्त ने जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति, पंचकूला की बैठक की अध्यक्षता की

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- उपायुक्त ने नगर निगम से अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने आज सेक्टर-1 स्थित पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति, पंचकूला की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न विषयों से संबंधित 6 शिकायतें सुनी गईं, जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सेक्टर-25 के निवासियों ने गांव झुरीवाला में लंबे समय से कचरा पड़े रहने के कारण दुर्गंध फैलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि कचरे के कारण न केवल दुर्गंध फैल रही है, बल्कि पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इस पर उपायुक्त ने नगर निगम से अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी। नगर निगम की संयुक्त आयुक्त ने बताया कि झुरीवाला डंपिंग ग्राउंड से प्रतिदिन कचरे का उठान किया जा रहा है तथा साइट की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आसपास के लोगों को असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि गांव अलीपुर में मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) शुरू होने के बाद इस समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। कामी रोड से एमआरएफ तक 150 मीटर अप्रोच रोड का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है और 15 मार्च तक सड़क तैयार हो जाएगी। इसके बाद झुरीवाला डंपिंग ग्राउंड को शिफ्ट कर दिया जाएगा।

माता पार्वती हाउसिंग वेलफेयर सोसायटी, गांव धमाला (तहसील कालका) के निवासियों ने शिकायत दी कि जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बरसात के दिनों में पानी सोसायटी और घरों में भर जाता है। उन्होंने पानी की निकासी के लिए पक्का नाला बनवाने की मांग की। इस पर उपायुक्त ने लोक निर्माण विभाग से की गई कार्रवाई का विवरण मांगा। विभाग के कार्यकारी अभियंता ने बताया की नाले के निर्माण और इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के लिए अनुमान तैयार कर परियोजना निदेशक, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, शिमला को भेज दिया गया है। स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। गांव रत्तेवाली के निवासियों ने गांव की जमीन पर अवैध माइनिंग की शिकायत की। जिला माइनिंग इंजीनियर ने बताया कि गांव में किसी प्रकार की अवैध माइनिंग नहीं हो रही है। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि अवैध माइनिंग की रोकथाम के लिए गठित टीमें ग्रामीणों को साथ लेकर स्थल का निरीक्षण करें और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई अवैध माइनिंग करते पाया गया तो संबंधित वाहन जब्त कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध माइनिंग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, नगर परिषद कालका के चेयरमैन कृष्ण लांबा, अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता, डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन, आरटीए हैरतजीत कौर, एसडीएम पंचकूला चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका संयम गर्ग, एचएसवीपी के संपदा अधिकारी मानव मलिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कष्ट निवारण समिति के गैर-सरकारी सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षक व कर्मचारी शिक्षण संस्थान का मजबूत आधार: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में एक शिक्षक व दो गैर-शिक्षक कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति अवसर पर प्रशासन की ओर से विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालय के उत्थान में शिक्षकों व कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। शिक्षक व कर्मचारी शिक्षण संस्थान का मजबूत आधार होते हैं जो संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

कुलगुरु प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने सेवानिवृत्त हुए शिक्षक व कर्मचारियों से औपचारिक बातचीत की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षकों व कर्मचारियों के हितों के लिए सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखेगा तथा भविष्य में भी सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों के अनुभव विश्वविद्यालय के काम आएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय में बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए सभी के सुझाव लिए व उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों ने अपने विचार व अनुभव साझा किए व विदाई पार्टी के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार प्रकट किया।

सेवानिवृत्त होने वालों में भूगोल विभाग से सीनियर प्रोफेसर डॉ. एस.पी. कौशिक, परीक्षा शाखा से दफ्तरी कैलाश चन्द्र व वाइस चांसलर कार्यालय से दफ्तरी शेर सिंह शामिल हैं।

सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में 22वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर गांव अभिमन्युपुर में सम्पन्न हुआ

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का सफल संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में थानेसर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 22वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का गांव अभिमन्युपुर में सफल आयोजन किया गया। इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण करने के लिए गौरव जैलदार सरपंच अभिमन्युपुर भी पहुंचे। उन्होंने शिविर में अपनी आंखों की जांच भी कराई। उन्होंने सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र सशक्तिकरण अभियान की प्रसंशा करते हुए कहा कि सांसद नवीन जिन्दल द्वारा आयोजित कराए जा रहे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों में हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की सेवा में दिन रात मेहनत कर रही है।

शिव शक्ति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक चले इस स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने सहभागिता की और विभिन्न निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का 671 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। शिविर के दौरान नेत्र परीक्षण एवं उपचार, दंत परीक्षण एवं उपचार, स्त्री रोग जांच एवं परामर्श, स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग, सामान्य स्वास्थ्य जांच तथा एनीमिया जांच जैसी सेवाएं अनुभवी चिकित्सकों द्वारा उपलब्ध कराई गईं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य जांच के उपरांत आवश्यकता अनुसार मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इसके साथ ही नेत्र परीक्षण के पश्चात जरूरतमंद 392 मरीजों को चश्मे भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर 100 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई है, उनके निःशुल्क ऑपरेशन की प्रक्रिया शीघ्र सुनिश्चित की जाएगी, ताकि उन्हें समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल द्वारा स्वस्थ कुरुक्षेत्र अभियान के संकल्प को पूरा करने के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ साथ अन्य जनकल्याणकारी पहलों के माध्यम से कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

हॉलैंड से आए श्रद्धालुओं ने जयराम विद्यापीठ के श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में हर हर महादेव के उदघोष के साथ किया रुद्राभिषेक

कुरुक्षेत्र। देश के विभिन्न राज्यों में संचालित जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी की प्रेरणा से श्री जयराम विद्यापीठ में स्थित श्री रामेश्वर महादेव मन्दिर में वीरवार को हॉलैंड से आए हुए श्रद्धालुओं ने विधिवत मंत्रोच्चारण के बीच रुद्राभिषेक किया। इस अभिषेक में हॉलैंड से यजमान सूजन गायत्री गिरवान, डा. चन्दर केतु गिरवान, कलावती गिरवान, सूरिन गिरवारण सरोजनी गिरवान इत्यादि शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि यह यजमान परिवार हर वर्ष यूरोप से भारत मे अपने कल्याण की भावना से पूजा एवं हवन यज्ञ के लिए कुरुक्षेत्र श्री जयराम विद्यापीठ मे आते है ओर भंडारे का भी आयोजन करते हैं। आचार्य प. प्रतीक शर्मा, आचार्य वेद प्रकाश, आचार्य प्रमोद शर्मा, आचार्य पुष्प, पंकज शर्मा व अन्य विद्वानो ने विधिवत यह पूजन सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर मंदिर में स्थित विश्व के दुर्लभ स्फटिक मणि शिवलिंग को सजाया गया। श्रद्धालुओं एवं यजमान परिवारों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पूजन व अभिषेक गया। श्री जयराम संस्थाओं के मीडिया प्रभारी राजेश सिंगला ने कहा कि हॉलैंड से आए श्रद्धालुओं ने विदेश में रहकर भी भारतीय सनातन परम्परा के अनुसार श्री जयराम विद्यापीठ के श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में हर हर महादेव के उदघोष के साथ रुद्राभिषेक किया। विद्यापीठ की मुख्य यज्ञशाला में हवन यज्ञ सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर केके कौशिक, टेक सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, पवन गर्ग, कौशल गुलाटी, राजेश सिंगला, यशपाल राणा, केसी रंगा, सतबीर कौशिक, रोहित कौशिक व जितेंद्र इत्यादि सहित भी मौजूद रहे।

तिगरी खालसा-अमीन सड़क निर्माण 10 दिन में पूरा करने के निर्देश

कुरूक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि तिगरी खालसा से बीड अमीन तथा तिगरी खालसा से सलारपुर तक सड़कों का निर्माण कार्य जल्द किया जाएगा। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गांव तिगरी खालसा का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्होंने गांववासियों से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर ग्रामीणों ने तिगरी खालसा से अमीन को जोड़ने वाली लंबित सड़क निर्माण कार्य का मुद्दा प्रमुखता से उठाया, जो लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ था। श्री सुभाष सुधा ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि उक्त सड़क का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर 10 दिनों के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में हो रही कठिनाइयों से शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी और जनता की सुविधाओं से जुड़े कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश देने पर उनका आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि अब यह कार्य जल्द ही पूरा हो जाएगा।

उपायुक्त ने प्रधान सचिव को समाधान शिविर में आई समस्याओं का जल्द समाधान करने का दिया आश्वासन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

विदेश सहयोगी विभाग की प्रधान सचिव अमनीत पी कुमार ने चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर में आई समस्याओं पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने सभी उपायुक्तों को गंभीरता से व बिना विलंब के समाधान शिविर की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने प्रधान सचिव को आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द कर लिया जाएगा।

उपायुक्त ने इसके उपरांत लघु सचिवालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों की समीक्षा की और जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिलावासी अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान न हों। इस कार्य में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नही किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश के लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर हर जिले में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविर में आई लोगों की समस्याओं व अधिकारियों द्वारा किए गए समाधान की मोनिटरिंग करते है और स्वयं वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविर से जुडते है। उन्होंने कहा कि जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस मामले में कोताही की गुंजाईश नहीं है।

नेचर कैंप थापली छात्रों के लिए बन रहा आकर्षण का केंद्र: नरेंद्र सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

देशभगत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने दो दिवसीय नेचर कैंप थापली भ्रमण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह भ्रमण हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास, कौशल संवर्धन और व्यक्तित्व निर्माण के लिए निरंतर प्रभावी योजनाएं चला रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरणीय जागरूकता से भी सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आयोजित नेचर कैंप, ट्रैकिंग कार्यक्रम, कौशल विकास शिविर और जागरूकता अभियान युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को नेचर कैंप थापली जैसे प्राकृतिक एवं महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करवाने का उद्देश्य उन्हें हरियाणा की प्राकृतिक धरोहर, जैव विविधता और पर्यावरणीय समृद्धि से परिचित कराना है। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं तथा उन्हें प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा एवं पंजाब के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है, ताकि वे प्रकृति की सुंदरता का अनुभव कर सकें और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बन सकें। यह कैंप युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व कौशल और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ करता है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस विद्यार्थियों ने वन विभाग के अधिकारियों द्वारा जलवायु परिवर्तन विषय पर आयोजित व्याख्यान में भाग लिया। यह व्याख्यान डिप्टी रेंजर विजय नेहरा, वन दरोगा भूपेंद्र द्वारा दिया गया, जिसमें विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, वन संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। द्वितीय दिवस विद्यार्थियों ने ट्रैकिंग गतिविधि में भाग लेकर प्राकृतिक वातावरण का अनुभव किया और प्रकृति के निकट रहकर सीखने का अवसर प्राप्त किया। ट्रैकिंग के माध्यम से विद्यार्थियों ने जंगल की जैव विविधता, वन्यजीवों के महत्व तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता को समझा। यह दो दिवसीय नेचर कैंप न केवल विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर रहा है, बल्कि युवाओं में सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना भी जागृत कर रहा है।

उपायुक्त ने एसीपी ट्रॉफिक को नगर निगम द्वारा लगाए गए कैमरों की दो दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने आज लघु सचिवालय के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विभिन्न संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और आमजन विशेषकर युवाओं में ट्रॉफिक नियमों के बारे में जागरूकता बढाने के निर्देश दिए।

आरटीए सचिव हैरतजीत कौर ने उपायुक्त को सभी विभागों के द्वारा किए गए कार्यों की विस्तार से प्रगति रिपोर्ट उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत की।

उपायुक्त ने नगर निगम को शहर में लगे कैमरों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने एसीपी को शहर के कैमरों की विस्तृत रिपोर्ट भी दो दिन में सौंपने के निर्देश दिए ताकि वास्तविक रिपोर्ट सामने आ सके और कैमरों को दुरूस्त कर यातायात के नियमों को तोडने वाले के चालान किए जा सके।

उन्होंने बताया कि जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और मृत्यु दर में कमी लाना है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन अमूल्य है और दुर्घटना के तुरंत बाद पीड़ित को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाकर पीड़ित की जान बचायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के तुरंत बाद पीड़ित को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर पंहुचाना सुनिश्चित किया जाए ताकि समय रहते आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्र की सडक को ठीक करने के निर्देश दिए ताकि जिलावासियों को आवागमन की अच्छे साधन उपलब्ध हो सके।

जनगणना से जनकल्याण के थीम पर पहली बार डिजिटल प्रणाली से होगी जनगणना 2027: विश्राम कुमार मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र-१उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रदेश की तर्ज पर कुरुक्षेत्र में जनगणना से जनकल्याण की थीम पर पहली बार डिजिटल प्रणाली से जनगणना 2027 का कार्य किया जाएगा। इस जनगणना के कार्य पर जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के आधार पर काम किया जाएगा और जिस जिस अधिकारी व कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाएगी। उस सम्बन्धित अधिकारी को पूरी मेहनत और लग्न के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करना होगा। अगर किसी भी स्तर पर लापरवाही बरती गई तो सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, यहां तक की उस अधिकारी, कर्मचारी पर जुमार्ना भी लगाया जा सकता है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में जनगणना 2027 की तैयारियों की समीक्षा को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा और नगराधीश आशीष कुमार ने पावर प्रेजेंटेशन के जरिए जनगणना 2027 के बारे में विस्तार से जानकारी दी और अधिकारियों, कर्मचारियों की डयूटियां, कर्तव्य और अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया और लापरवाही बरतने पर निर्धारित नियमों के बारे में भी जानकारी दी गई है।

उपायुक्त ने कहा कि कुरुक्षेत्र में जनगणना-2027 को लेकर बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह जनगणना केवल एक सांख्यिकीय कवायद भर नहीं, बल्कि आने वाले दशक की नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और आधारभूत संरचना के विकास की नींव है। साथ ही, यह कुरुक्षेत्र की प्रशासनिक और तकनीकी दक्षता तथा समन्वय कौशल की भी परीक्षा है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य वरिष्ठ अधिकारियों और प्रधान जनगणना अधिकारियों को जनगणना की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं तथा उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्वों के प्रति संवेदनशील बनाना है। जनगणना से प्राप्त आंकड़े नीति

निर्माण एवं विकास योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों ने राज्य में कम बाल लिंगानुपात वाले जिलों की पहचान करने में मदद की और ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ल कार्यक्रम के माध्यम से लक्षित हस्तक्षेप संभव हुआ।

उन्होंने कहा कि जनगणना में एसडीएम, तहसीलदार, नगर परिषद व नगरपालिकाओं व अन्य अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। केन्द्र सरकार के दिशा-निदेर्शों का पालन, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, जिले का पूर्ण कवरेज तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जनगणना से जुड़ी पूरी प्रक्रिया में त्रुटि या लापरवाही की कोई गुंजाइश न रहे। उन्होंने कहा कि इस कार्य में अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रशिक्षण और संवेदनशीलता का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य के लिए जारी की गई धनराशि का समुचित उपयोग किया जाए।

उन्होंने बताया कि देश में पहली बार पूरी तरह से डिजिटल जनगणना होगी। इसके पहले चरण में ह्यमकान सूचीकरण एवं मकानों की गणनाह्ल 1 मई से 30 मई, 2026 तक की जाएगी। वर्ष 1966 में राज्य गठन के बाद से, हरियाणा के लिए यह छठी जनगणना होगी। परंपरागत प्रक्रिया से हटकर इस बार नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा, जिसके लिए 16 अप्रैल, 2026से एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नागरिक अपने विवरण पहले ही ऑनलाइन भर सकेंगे। जानकारी सबमिट करने के बाद उन्हें एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से एक विशिष्ट सेल्फ-एन्यूमरेशन आईडी प्राप्त होगी। इसके बाद जब गणना कर्मी मौके पर आएंगे, तो वे केवल पहले से भरी गई जानकारी का सत्यापन करेंगे, जिससे समय की बचत होगी और आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि गणनाकर्मी एक विशेष हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करेंगे, जिसे उनके पंजीकृत निजी मोबाइल उपकरणों पर इंस्टॉल किया जाएगा। यह एप्लिकेशन ऑफलाइन मोड में भी कार्य करेगा, ताकि दूर-दराज और नेटवर्क-विहीन क्षेत्रों में भी जनगणना का कार्य बाधित न हो।

नेटवर्क उपलब्ध होते ही डाटा स्वतः सिंक्रोनाइज हो जाएगा। यह मोबाइल एप्लिकेशन एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा, जिसके लिए न्यूनतम ऑपरेटिंग सिस्टम, रैम और स्टोरेज की शर्तें निर्धारित की गई हैं। रियल-टाइम मॉनिटरिंग और तकनीक-आधारित डैशबोर्ड के माध्यम से प्रत्येक स्तर पर प्रगति की सतत निगरानी की जाएगी।

संपादकीय

भारत की नई ट्रेड पॉलिसी का असर: कैसे वैश्विक मंच पर आर्थिक महाशक्ति बन रहा है देश?

तेजी से रूपांतरित हो रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच भारत की व्यापार नीति और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां नई दिशा तय कर रही हैं। आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, संरक्षणवादी रुझानों और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में भारत ने संतुलित, बहुपक्षीय और दीर्घकालिक हितों पर आधारित रणनीति अपनाई है। 'आत्मनिर्भर भारत' को बंद अर्थव्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम, नियार्तोन्मुख और नवाचार-आधारित मॉडल के रूप में परिभाषित किया गया है। यही कारण है कि आज भारत की व्यापार साझेदारियां केवल वस्तुओं के आयात-निर्यात तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि निवेश, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सेवाओं, डिजिटल सहयोग और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण तक फैल चुकी हैं। भारत के पारंपरिक और सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक संबंधों में यूरोपियन यूनियन और युनाईटेड स्टेट्स अग्रणी हैं। ये दोनों भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्य हैं, जहां सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं, दवाएं, ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और रत्न-आभूषण की मजबूत मांग है। हाल के वर्षों में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते और भारत-अमेरिका व्यापार सहयोग को नई गति देने के प्रयास तेज हुए हैं। बदलते वैश्विक व्यापार नियमों और टैरिफ बाधाओं के बीच इन वातार्ओं का महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि ये भारत को उन्नत बाजारों तक बेहतर पहुंच और निवेश प्रवाह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं।एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत ने 'एक्ट ईस्ट' नीति को आर्थिक रणनीति से जोड़ा है। जपान के साथ बुनियादी ढांचा विकास, औद्योगिक गलियारे और हाई-स्पीड रेल परियोजनाओं में सहयोग ने रणनीतिक संबंधों को आर्थिक मजबूती दी है। अस्ट्रेलिया के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता ने खनिज, शिक्षा और कृषि व्यापार को नई दिशा दी है। वहीं यूनाइटेड अरब अमीरात के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता ने पश्चिम एशिया में भारत की आर्थिक उपस्थिति को सुदृढ़ किया है। इस समझौते से रत्न-आभूषण, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई क्षेत्र को विशेष लाभ मिला है, जिससे निर्यात में विविधता आई है।उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मंच ब्रिक्स में भारत की सक्रिय भागीदारी भी उसकी बहुध्रुवीय आर्थिक दृष्टि को दशार्ती है। इस समूह के माध्यम से सदस्य देश स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, विकास वित्त और वैकल्पिक भुगतान तंत्र पर जोर दे रहे हैं। यह पहल वैश्विक वित्तीय संस्थानों पर निर्भरता घटाने और विकासशील देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत के लिए यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का माध्यम भी है। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थिरता आई। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने 'चाइना प्लस वन' रणनीति के तहत वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र तलाशने शुरू किए। भारत ने इस अवसर को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के जरिए भुनाने की कोशिश की। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के प्रयास हुए। इससे न केवल निर्यात क्षमता में वृद्धि हुई, बल्कि रोजगार सृजन और तकनीकी दक्षता को भी बल मिला।सेवा क्षेत्र भारत की सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरा है। आईटी सेवाएं, बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग, स्टार्टअप नवाचार और फिनटेक समाधान वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी हैं। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना–विशेषकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई)–को विभिन्न देशों के साथ साझा करने की पहल ने डिजिटल कूटनीति को नया आयाम दिया है। इससे भारत तकनीकी सहयोग और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित हुआ है।कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में भी भारत ने निर्यात के नए अवसर तलाशे हैं। बासमती चावल, मसाले, समुद्री उत्पाद और डेयरी वस्तुएं कई देशों में लोकप्रिय हो रही हैं। गुणवत्ता मानकों के उन्नयन, परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना और बेहतर लॉजिस्टिक्स ने कृषि निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाया है। बंदरगाह अवसंरचना, डिजिटलीकृत कस्टम प्रक्रियाएं और कर सुधारों ने व्यापार सुगमता को बेहतर किया है, जिससे विदेशी निवेशकों का भरोसा भी बढ़ा है। हालांकि, वैश्विक मंदी की आशंका, ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक संघर्ष जैसी चुनौतियां व्यापार प्रवाह को प्रभावित कर सकती हैं। निर्यात में उच्च मूल्य संवर्धन और अनुसंधान-आधारित विनिर्माण की दिशा में अभी और प्रयासों की जरूरत है। यदि भारत को दीर्घकालिक आर्थिक लक्ष्यों–जैसे 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था–की ओर बढ़ना है, तो उसे वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भूमिका को और मजबूत करना होगा।भारत की व्यापार नीति का एक अहम पहलू 'रणनीतिक स्वायत्तता' है। पश्चिमी देशों और एशियाई शक्तियों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखते हुए भारत ने किसी एक ध्रुव पर निर्भरता से बचने की कोशिश की है। यह दृष्टिकोण उसे विविध बाजारों तक पहुंच और निवेश के बहुआयामी स्रोत प्रदान करता है। हरित ऊर्जा और सतत विकास के क्षेत्र में भी व्यापारिक सहयोग का महत्व बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और इलेक्ट्रिक वाहनों में अंतरराष्ट्रीय निवेश भविष्य की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करेंगे। यदि भारत इन क्षेत्रों में तकनीकी और विनिर्माण क्षमता विकसित करता है, तो वह न केवल ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करेगा, बल्कि वैश्विक हरित बाजार में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगा।समग्र रूप से देखें तो भारत की व्यापार साझेदारियां आज वैश्विक एकीकरण की प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। मुक्त व्यापार समझौते, आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण, डिजिटल नवाचार और उत्पादन प्रोत्साहन नीतियां मिलकर भारत को वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर अधिक प्रभावशाली बना रही हैं। यदि नीति-निर्माण में निरंतरता, अवसंरचना निवेश और कौशल विकास को प्राथमिकता दी जाती रही, तो आने वाले वर्षों में भारत एक सशक्त, विश्वसनीय और अग्रणी व्यापारिक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है।

दरअसल, इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान्‌-वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी.वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सीवी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।'' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएंः विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एक नयी शहरी रूपरेखा: शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप

श्रीनिवास कटिकिथला

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा।

हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नजरिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढ़ांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।

अनुदान से बाजार अनुशासन की ओर

शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है।

यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के जरिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढ़ांचागत महत्वाकांक्षाओं के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है।

शहरी केंद्र की पुनर्कल्पना

यह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दशार्ते हैं।

पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है।

दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट - का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जनन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है।

तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुनः उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं।

छोटे शहरों को वित्तीय मुख्यधारा में लाना

शहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है। पहली बार, छोटे शहरी स्थानीय निकायों, खास तौर पर एक लाख से कम आबादी वाले, साथ ही पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के शहरों, को संरचित केंद्रीय गारंटी के साथ बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा रहा है।

प्रारंभिक उधार को जोखिममुक्त करके, यह योजना छोटी नगरपालिकाओं के लिए प्रवेश संबंधी बाधाओं को कम करती है और ऋणदाताओं को विश्वास दिलाती है। ऐसा कर-के, यह शहरी स्थानीय निकायों को अंतर-सरकारी हस्तांतरणों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, पूंजी बाजारों का लाभ उठाने में सक्षम विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के रूप में दोबारा स्थापित करना शुरू करती है।

सुधार ही आधार

यूसीएफ के तहत केंद्रीय सहायता प्राप्त करना शासन, वित्तीय और नियोजन सुधारों पर निर्भर है। शहरों से अपेक्षा की जाती है कि वे साख में सुधार करें, परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करें, सेवा वितरण को डिजिटल बनाएं, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और एकीकृत भूमि उपयोग तथा गतिशीलता नियोजन ढांचे अपनाएं।

वित्तपोषण लक्ष्यों और मापने योग्य नतीजों से जुड़ा है और लगातार सुधार बाद के संवितरणों के लिए एक पूर्व शर्त है। यह दृष्टिकोण यह दिशा में प्रयास करता है कि अवसंरचना निर्माण के साथ-साथ संस्थागत सुदृढ़ीकरण भी हो, जिससे कमजोर रखरखाव या कुप्रबंधन के कारण परिसंपत्तियों के क्षय का जोखिम कम हो।

शहरी चुनौती कोष शहरी विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका को भी पुनर्परिभाषित करता है। बाजार वित्तपोषण को अनिवार्य बनाकर और संरचित जोखिम-साझाकरण व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करके, यह डिजाइन, वित्तपोषण और संचालन में निजी भागीदारी को और अधिक व्यापक बनाता है।

परियोजना तैयारी सहायता, लेनदेन सलाहकार सहायता और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का मकसद परियोजना की व्यवहार्यता और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना है। अगर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह भारत के नगरपालिका बांड बाजार को और बड़ा कर सकता है और शहरी अवसंरचना के लिए वित्तपोषण आधार को व्यापक बना सकता है।

सहयोगात्मक कार्यान्वयन मॉडल

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस निधि को एक व्यापक हितधारक व्यवस्था के तहत रखा है। राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों, वित्तीय संस्थानों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और निजी विकासकताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे एक प्रतिस्पर्धी, चुनौती-आधारित प्रक्रिया के जरिए इसमें शामिल हों, जो तत्परता और नवाचार को पुरस्कृत करती है।

राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमता निर्माण के प्रावधान इस ढांचे में अंतर्निहित हैं, यह मानते हुए कि वित्तीय मदद तक पहुंच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधकीय दक्षता भी जरुरी है। डिजिटल निगरानी प्लेटफॉर्म से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने और परिणाम-आधारित शासन को मजबूत करने की अपेक्षा की जाती है।

भविष्य के लिए तैयार शहरों की राह

आगामी दशकों में भारत की शहरी आबादी में खासी वृद्धि होने वाली है और इसके साथ ही बुनियादी ढांचे की मांग भी बढ़ेगी। शहरी चुनौती कोष इसी दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता और राजकोषीय स्थिरता को एक ही ढांचे में एकीकृत करने का प्रयास करता है।

आखिरकार क्या यह कोष भारत के शहरी विकास की दिशा बदल पाएगा, यह इसके क्रियान्वयन पर ही निर्भर करेगा। लेकिन इसका मकसद साफ है। शहरी चुनौती कोष शहरीकरण को एक वित्तीय बोझ के रूप में नहीं, बल्कि एक निवेश के अवसर के रूप में देखता है, जिसका लाभ उठाया जा सकता है। बाजार अनुशासन, सुधार प्रोत्साहन और मापने योग्य परिणामों को अपने डिजाइन में शामिल करके, यह भारत के शहरी परिवर्तन के अगले चरण को गति प्रदान करना चाहता है, एक ऐसा चरण जिसमें शहर सशक्त, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार विकास केंद्रों में विकसित हों।

(लेखक आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव हैं)

आज का राशिफल

मेष: आज आपको परिस्थितियों का गंभीरता से विश्लेषण करना होगा। सामाजिक छवि को लेकर मन में थोड़ी चिंता रह सकती है। जरूरत पड़ने पर रिश्तेदारों से आर्थिक सहयोग लेना पड़ सकता है। कार्यों में एकाग्रता बनाए रखें, तभी अपेक्षित परिणाम मिलेंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सकारात्मक रहेगा और आप स्वयं को ऊजार्वान महसूस करेंगे। जीवनसाथी की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। नया वाहन खरीदने का विचार मन में आ सकता है। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: व्यवसाय या नौकरी में नए संपर्क बनने के योग हैं। किसी अधूरे कार्य के कारण मन खिन्न रह सकता है, लेकिन वरिष्ठों की सलाह लेने से समाधान मिलेगा। प्रेम संबंधों में भावनात्मक उतार-चढ़ाव संभव है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: कार्यक्षेत्र में नए मित्र और सहयोगी मिल सकते हैं। लंबे समय से रुके हुए कामों को दोबारा शुरू करने का अवसर मिलेगा। किसी पुराने परिचित से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी। शाम तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आय के लिहाज से दिन अनुकूल रहेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज आप मित्रों की मदद में आगे रहेंगे। चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास से करेंगे। अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थल की यात्रा का योग बन सकता है। पेट संबंधी समस्या या जलन से थोड़ी परेशानी हो सकती है, इसलिए खान-पान पर ध्यान दें। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। अनुभवी लोगों की सलाह से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। खर्चों पर नियंत्रण रखने में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन सामान्य रहेगा और व्यापार में लाभ के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुला: व्यवसाय में अचानक धन लाभ के योग हैं। दूसरों के मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप से बचें। शेयर बाजार या निवेश से जुड़े कार्यों में लाभ मिल सकता है। शाम को मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को पद या प्रतिष्ठा में वृद्धि मिल सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: पुराने अनुभव आज आपके काम आएंगे। अधिकारी आपके प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। व्यापार में गति आने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ विवाद से बचें और संवाद बनाए रखें। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को सफलता के संकेत मिल रहे हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: व्यवसाय विस्तार के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। अविवाहित लोगों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं। अनावश्यक यात्रा से बचना बेहतर रहेगा। जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

मकर: दिन थोड़ा तनावपूर्ण रह सकता है। कार्यस्थल पर कुछ लोग आपकी प्रगति से असहज हो सकते हैं। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। दांपत्य जीवन में मतभेद की स्थिति बन सकती है, इसलिए संयम रखें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: आज आपकी बौद्धिक क्षमता का पूरा लाभ मिलेगा। आय बढ़ाने के लिए नए प्रयास सफल हो सकते हैं। मित्रों का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। परिवार के छोटे सदस्यों को लेकर चिंता रह सकती है। जीवनसाथी का सहयोग और उत्साहवर्धन मनोबल बढ़ाएगा। *(सिटी दर्पण)*

मीन: उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रबंधन क्षमता की सराहना होगी। प्रेमी या जीवनसाथी के साथ दिल की बातें साझा करेंगे। दिन सामान्य से बेहतर रहेगा और आप जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएंगे। *(सिटी दर्पण)*

सीमाओं के परे साइबर अपराध का मुकाबला

चार्वी अरोड़ा (हि.स)

अपराधी फोन कॉल, संदेश और भरोसेमंद ब्रांडिंग का उपयोग कर सरकारी एजेंसियों और व्यवसायों का छद्म रूप धारण कर लेते हैं और हजारों मील दूर से भी पीड़ितों को धन या संवेदनशील जानकारी देने के लिए छलते हैं। जैसे-जैसे ये साइबर-सक्षम धोखाधड़ी नेटवर्क अमेरिकियों को तेजी से निशाना बना रहे हैं, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग एक महत्वपूर्ण रक्षा पंक्ति बन गया है।

नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के लीगल अटैशे सुहेल दाऊद कहते हैं कि इन नेटवर्क का मुकाबला घनिष्ठ अंतरराष्ट्रीय समन्वय पर निर्भर करता है। 'एफबीआई स्थापित कानूनी और परिचालन साझेदारियों के माध्यम से भारतीय कानून प्रवर्तन के साथ निकटता से काम करती है।' वह कहते हैं। 'हमारे सहयोग में खुफिया जानकारी साझा करना, संयुक्त जांच समन्वय, क्षमता निर्माण और तकनीकी आदान-प्रदान शामिल है।'

एक बढ़ता खतराएफबीआई के इंटरनेट क्राइम कंप्लेंट सेंटर (आईसी3) की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में साइबर-सक्षम अपराध और धोखाधड़ी से होने वाला नुकसान 16.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। जैसे-जैसे अपराधी अधिक अवैध लाभ कमाते हैं, वे अपनी गतिविधियों का विस्तार सीमाओं के पार करते हैं।

प्रौद्योगिकी इस वृद्धि को बढ़ावा देती है। दाऊद बताते हैं, 'वे नए प्रौद्योगिकी साधनों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और समसामयिक घटनाओं का उपयोग कर धोखाधड़ी को अधिक विश्वसनीय बनाते हैं।' आज कुछ धोखेबाज पीड़ितों को ठगने के लिए एआई का उपयोग कर नकली चित्र, ईमेल और आवाजें तैयार करते हैं। वे जोर देते हुए कहते हैं'यह कोई मामूली परेशानी नहीं है,यह डिजिटल क्षेत्र में संचालित संगठित अपराध है।'

धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़कई साइबर धोखाधड़ी योजनाएं संगठित विदेशी कॉल सेंटरों से संचालित होती हैं। कुछ तो संपर्क सूची खरीदने या नकली वेबसाइट बनाने के लिए कंपनियों को काम देने जैसी सेवाओं का 'अनुबंध' भी देते हैं। क्योंकि पीड़ित, साक्ष्य और अपराधी अक्सर कई देशों में फैले होते हैं, जांच के लिए घनिष्ठ समन्वय आवश्यक होता है। दाऊद एक सामान्य मामले का उदाहरण देते हैंः 'भारत में एक कॉल सेंटर पकड़ा जाता है लेकिन पीड़ित अमेरिकी नागरिक होते हैं और वित्तीय लेनदेन की कड़ी अमेरिका में होती है। भारतीय कानून प्रवर्तन एफबीआई से संपर्क करता है और एफबीआई पीड़ितों से संपर्क कर भारतीय अदालतों में गवाही की तैयारी करती है। एफबीआई भारतीय कानून प्रवर्तन को साक्ष्य की वित्तीय श्रृंखला पूरी करने में भी मदद करती है क्योंकि नुकसान अमेरिका में हुआ होता है।'

यह सहयोग जवाबदेही सुनिश्चित करता है। दाऊद कहते हैं 'यह साक्ष्य और पीड़ितों की गवाही सुनिश्चित करती है कि भारत में कॉल सेंटर संचालकों को अदालत में जवाबदेह ठहराया जाए। इस सहयोग के बिना मामले का अभियोजन संभव नहीं है।'

हाल की एक सफलता अमेरिका-भारत सहयोग के प्रभाव को दशार्ती है। एफबीआई बाल्टीमोर फील्ड ऑफिस, मोंटगोमेरी काउंटी पुलिस विभाग और मोंटगोमेरी काउंटी स्टेट्स अटॉर्नी कार्यालय द्वारा की गई संयुक्त जांच ने मैरीलैंड निवासियों और सैकड़ों अन्य अमेरिकियों को निशाना बनाने वाली धोखाधड़ी योजनाओं को भारत में संगठित ठग कॉल सेंटरों तक पहुंचाया।

भारत के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिसंबर 2025 में इन कॉल सेंटरों को ध्वस्त किया और लगभग 5 करोड़ डॉलर की चोरी के लिए जिम्मेदार आपराधिक सिंडिकेट का नेतृत्व करने वाले छह भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया।

दाऊद कहते हैं, 'हाल के समय में ऐसी सफलता के कई उदाहरण रहे हैं। यह सब एफबीआई और भारतीय कानून प्रवर्तन के साझेदार के रूप में हाथ मिलाकर काम करने से संभव हुआ है।'

व्यक्तिगत मामलों से परे, ये प्रयास दीर्घकालिक व्यवधान उत्पन्न करते हैं, आपराधिक पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करके–वित्तीय चैनलों, डिजिटल अवसंरचना और भर्ती पाइपलाइनों को काटकर जो धोखाधड़ी अभियानों को बनाए रखते हैं।

जागरूकता क्यों महत्वपूर्ण हैसाइबर धोखाधड़ी सभी आयु और पृष्ठभूमि के लोगों को प्रभावित करती है। दाऊद बताते हैं कि 'एक आम गलतफहमी यह है कि साइबर धोखाधड़ी केवल उन लोगों को निशाना बनाती है जो तकनीकी रूप से दक्ष नहीं हैं, लोग अक्सर मानते हैं कि वे कभी ठगी का शिकार नहीं होंगे। ये ठगी मानव मनोविज्ञान का शोषण करती हैं, तकनीकी कमजोरी का नहीं।' साइबर धोखाधड़ी कोई पीड़ित-विहीन अपराध नहीं है। यह सेवानिवृत्त लोगों, परिवारों और छोटे व्यवसायों को प्रभावित करती है। कई मामलों में भावनात्मक प्रभाव वित्तीय नुकसान के बराबर होता है।

दाऊद कहते हैं कि 'जागरूकता हमारी सबसे मजबूत रक्षा में से एक है, थोड़ी-सी भी सावधानी लोगों को ठगी पहचानने और वित्तीय या भावनात्मक नुकसान से बचने में मदद कर सकती है। ठगी की रिपोर्ट करना भी महत्वपूर्ण है। भले ही धन पहले ही खो गया हो, रिपोर्ट करने से कानून प्रवर्तन को पैटर्न पहचानने और आपराधिक नेटवर्क को बाधित करने में मदद मिलती है।'

प्रौद्योगिकी तेजी से विकसित होती है और निरंतर सहभागिता यह सुनिश्चित करती है कि जांचकर्ता आपराधिक रणनीतियों से आगे रहें। यह साझेदारी केवल अलग-अलग मामलों को सुलझाने के बारे में नहीं है बल्कि टिकाऊ संस्थागत शक्ति निर्माण के बारे में है।

आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने से आप को निशाना बनाने की साजिश बेनकाब: भगवंत मान

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ केस रद्द करने के अदालत के फैसले ने केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का पर्दाफाश किया: मान

यशांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया सहित अन्य नेताओं के खिलाफ आबकारी नीति मामले में अदालत द्वारा आरोपों को रद्द करने से पार्टी की स्थिति पर दृढ़ मोहर लगी है। पार्टी लगातार कहती रही थी कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी पार्टियों को निशाना बनाने के लिए केंद्र सरकार की कठपुतलियों की तरह काम कर रही हैं।

एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारतीय राजनीति का एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि अदालत ने अरविंद केजरीवाल और 23 अन्य को बरी कर दिया, जिनके खिलाफ सीबीआई ने गलत तरीके से केस दर्ज किया था। उन्होंने कहा कि यह मामला केंद्र सरकार की आम आदमी पार्टी, जो अपने अच्छे कामों के जरिए देश भर में अपना आधार फैला रही है, को रोकने की निराशाजनक कोशिश थी। अदालत का यह आदेश इस बात का प्रमाण है कि चाहे अंधेरी रात कितनी भी लंबी क्यों न हो, अंततः सच्चाई और न्याय की ही जीत होती है।

अरविंद केजरीवाल और पार्टी के समर्थन में प्रार्थना करने वाले लोगों का धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आम जनता की दुआओं का ही चमत्कार है कि ईमानदार नेता आज सम्मानपूर्वक बरी हो गए। अदालत के आदेश ने सीबीआई के कामकाज पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिया है, जो अपने आकाओं के हाथों की कठपुतली बनकर काम कर रही थी। इसने लोकतंत्र की आवाज को दबाने के लिए केंद्र में सत्ताधारी लोगों द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का पर्दाफाश किया।

दिल्ली में हुए राजनीतिक घटनाक्रम का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि

केवल चुनाव जीतने के लिए आम आदमी पार्टी की पूरी उच्च-स्तरीय नेतृत्व टीम को भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सलाखों के पीछे डाल दिया था। आज के फैसले ने साबित कर दिया है कि अरविंद केजरीवाल एक ईमानदार नेता हैं, जो केवल सत्य के मार्ग पर चलते हैं और जनता के दिलों में राज करते हैं। उन्होंने कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक का हर कार्यकर्ता केवल लोगों की सेवा के लिए राजनीति में आया है। परंपरागत राजनीतिक पार्टियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा अपने सत्ता के दिनों में रोटेशन के आधार पर सत्ता का आनंद उठाती रही और एक-दूसरे के हित सुरक्षित रखती रही। ये पार्टियां हमेशा सत्ता की कुर्सी का खेल खेलती रही हैं और अपनी-अपनी बारी के अनुसार देश और जनता को लूटती रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह गंदा नाटक तब बंद हुआ जब आम आदमी पार्टी ने देश की राजनीति में कदम रखा, जो इन पार्टियों को कभी मंजूर नहीं था। जो भी भ्रष्टाचार और इन पार्टियों की घिनौनी हरकतों के खिलाफ आवाज उठाता है, उसे बदले की भावना से निशाना बनाया जाता है और बिना किसी कारण जेल में डाल दिया जाता है। यह भ्रष्ट लोग, जो हर तरफ फैले हुए हैं, ईमानदार लोगों को निशाना बनाते हैं और उनके ऊपर झूठे केस लगाते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा, यह लोगों से वोट मांगने की बजाय वोटों का अपना डेटाबेस बनाकर लोकतंत्र को नष्ट करने की चाल है। जनता के सामने हाथ जोड़कर वोट मांगने के बजाय, केंद्र सरकार ने यह रणनीति बनाई है कि इन वोटरों का इस्तेमाल किसी भी राज्य में अपनी पार्टी की जीत के लिए किया जाए। यह देश, इसके लोग और लोकतंत्र के लिए घातक है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायक इस व्यवहार से नाराज होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा, ह्वयदि आप शासन करना चाहते हैं तो ठीक है, पर इसके लिए आपको अपने काम से जनता का दिल जीतना चाहिए, न कि ऐसी चालें चलनी चाहिए। देश में शिक्षा, सड़कें, बिजली, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य क्षेत्रों में सुधार करने के बजाय भाजपा नफरत और विभाजन के अपने एजेंडे को बढ़ावा दे रही है। यह लोकतांत्रिक ढांचे के जरिए चुने गए तानाशाह अपने राजनीतिक विरोधियों में असहमति और लालच के माध्यम से चुनाव चिह्नों को फ्रीज करते हैं और फिर चुनाव में हेराफेरी करते हैं ह्व

उन्होंने कहा, ह्वहर देशभक्त चाहता है कि उसका देश मजबूत बने और मोदी-शाह की जोड़ी की हेराफेरी का गवाह न बने। केंद्र द्वारा देश को चलाने के तरीकों पर हर ईमानदार देशवासी आपत्ति करता है। उन्हें अपने निजी राजनीतिक हितों के लिए देश को सांप्रदायिक रेखाओं पर बाँटना बंद करना चाहिए।

सालाना पीजीआई पीडियाट्रिक्स अपडेट 2026: बेसिक्स से ब्रेकथ्रू तक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआई चंडीगढ़ के एडवांस्ड पीडियाट्रिक्स सेंटर का पीडियाट्रिक्स डिपार्टमेंट, 28 फरवरी और 1 मार्च, 2026 को सालाना पीडियाट्रिक्स अपडेट 2026 ऑर्गनाइज कर रहा है। इस साल के कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन प्रोग्राम की थीम बेसिक्स से ब्रेकथ्रू तक है, जो पीडियाट्रिक्स में बेसिक क्लिनिकल प्रैक्टिस से लेकर लेटेस्ट एडवांसमेंट तक के एक बड़े एकेडमिक सफर को दिखाता है। उटए की खास बात 10वां प्रो. इठर वालिया ओरेशन है, जिसे फरवरी, 1991 से जून, 1995 तक ढत्रक्कटएफके एक्स ल्डऊऔर डायरेक्टर डॉ. बृज नंदन सिंह वालिया के सम्मान में शुरू किया गया था। डॉ. वालिया इंडियन मेडिसिन में एक बड़ी हस्ती हैं और उनकी दूर की सोचने वाली लीडरशिप और नए योगदान ने पीडियाट्रिक केयर और मेडिकल एजुकेशन पर एक गहरी छाप छोड़ी है। हर तरह से एक महान हस्ती, डॉ. वालिया अपनी लगन, दया और बदलाव लाने वाले विजन से हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। यह भाषण जाने-माने पब्लिक हेल्थ दूरदर्शी पद्म श्री डॉ. अभय बंग देंगे, जो सोसाइटी फॉर एजुकेशन, एक्शन एंड रिसर्च इन कम्युनिटी हेल्थ गढ़चिरौली, महाराष्ट्र के फाउंडर-डायरेक्टर हैं। डॉ. बंग ने होम-बेस्ड न्यूबॉर्न केयर मॉडल बनाया और उसे साइंटिफिक तरीके से वैलिडेट किया - यह एक कम्युनिटी-लेड इंटरवेंशन है जिससे नियोनेटल मॉर्टैलिटी में काफी कमी आई है और इसे तब से नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर अपनाया गया है। द लैंसेट और दूसरे बड़े जर्नल्स में छपी उनकी रिसर्च ने मैटरनल और चाइल्ड हेल्थ में नेशनल और ग्लोबल दोनों पॉलिसी को आकार दिया है। डॉ. बंग को पद्म श्री और पद्म भूषण मिल चुके हैं। वे साइंटिफिक सख्ती, दया और सबसे कम सेवा पाने वाली आबादी की सेवा का एक उदाहरण हैं। उनका भाषण, जिसका टाइटल बच्चों की मौत की दर कैसे कम हुई? गढ़चिरौली से ग्लोबल, होगा, उसमें कम्युनिटी-बेस्ड नवजात और बच्चों की हेल्थ से जुड़े उन तरीकों के बारे में बताया जाएगा, जिन्होंने ग्रामीण भारत में बच्चों के बचने की दर को बदल दिया और ग्लोबल हेल्थ पॉलिसी पर असर डाला।

शुरूआती सेशन और इस खास भाषण की अध्यक्षता डायरेक्टर प्रो. विवेक लाल; डीन एकेडमिक प्रो. आर. के. राठो; और पीडियाट्रिक्स डिपार्टमेंट के हेड प्रो. प्रवीण कुमार करेंगे। दो दिनों में, उटए प्रैक्टिस करने वाले पीडियाट्रिशियन, रेजिडेंट और ट्रेनी को रोजाना पीडियाट्रिक प्रैक्टिस में आम और जरूरी मुद्दों पर छोटे, सबूतों पर आधारित अपडेट देगा। साइंटिफिक प्रोग्राम में इन्फेक्शन, वैक्सीनेशन, मिर्गी, डायबिटीज, एनीमिया और न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर वगैरह पर सेशन शामिल हैं। प्रोग्राम में इंटरैक्टिव पैनल डिस्कशन और क्लिनिकल पर्ल सेशन भी होंगे। एकेडमिक एक्सचेंज और प्रैक्टिकल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए गाइडेड रिसर्च पोस्टर राउंड होंगे। पोस्टर पीडियाट्रिक क्लिनिकल केयर के फील्ड में काम कर रहे रेजिडेंट और ढँऊ स्कॉलर्स द्वारा किए गए रिसर्च वर्क के स्पेक्ट्रम को दिखाएंगे। खास बात यह है कि सभी फैकल्टी स्पीकर खास तौर पर पीजीआई के पीडियाट्रिक्स डिपार्टमेंट से हैं, जो इंस्टीट्यूशन के अंदर एक्सपर्टीज और एकेडमिक ताकत की गहराई को दिखाता है।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु अहम बैठक : डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब राज्य खाद्य आयोग की पहल पर सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री, पंजाब डॉ. बलजीत कौर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण तथा सामाजिक कल्याण से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को और सुदृढ़ करना था।

बैठक में पंजाब राज्य खाद्य आयोग के चेयरमैन श्री बाल मुकंद शर्मा तथा सदस्य श्री विजय दत्त और श्री चेतन प्रकाश धालीवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव श्री गुरकिरत कृपाल सिंह (आईएएस) और निदेशक श्रीमती शेना अग्रवाल (आईएएस) भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान डॉ. बलजीत कौर ने खाद्य सुरक्षा और पोषण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत योग्य संस्थाओं को प्रति व्यक्ति प्रति माह 15 किलोग्राम अनाज रियायती दरों पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। यह सुविधा पिंगलवाड़ा संस्थाओं, वृद्धाश्रमों, बेसहारा गृहों सहित मान्यता प्राप्त कल्याण संस्थाओं, अनुसूचित जाति की छात्राओं के छात्रावासों तथा विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के विद्यालयों तक निरंतर बढ़ाई जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त वृद्धाश्रमों में निवास कर रहे पात्र बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन प्रदान करने तथा पिंगलवाड़ा सहित अन्य गैर-मान्यता प्राप्त संस्थाओं के निवासियों को मध्याह्न भोजन योजना का लाभ देने संबंधी विषयों पर भी डॉ. बलजीत कौर की अगुवाई में गंभीर विचार-विमर्श किया गया। चेयरमैन श्री बाल मुकंद शर्मा द्वारा सुधार योग्य स्थिति में चल रहे आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत और निर्माण की आवश्यकता पर बल दिए जाने पर मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भगवंत मान सरकार ने राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में निःशुल्क कॉक्लियर इम्प्लांट उपलब्ध कराए

चंडीगढ़। जनस्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में एक नई पहल के तहत मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने अपने तृतीयक देखभाल नेटवर्क में आधुनिक कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की सुविधा शुरू कर दी है, जो पूरी तरह निःशुल्क है। यह सेवा जो अब तक आम वर्ग की पहुंच से बाहर थी और केवल कुछ विशेष लोगों तक सीमित थी, अब पूरे राज्य के बच्चों के लिए निःशुल्क उपलब्ध है। सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर में इसकी सफल शुरूआत के बाद भगवंत मान सरकार ने बच्चों की बधिरता की समस्या को योजनाबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए एक मजबूत चार-नोड सर्जिकल ढांचा स्थापित किया है। कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी अब सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, अमृतसर; सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, पटियाला; सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, फरीदकोट; तथा अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, एसएएस नगर में पूर्णतः संचालित हैं। यह राज्यव्यापी संस्थागत नेटवर्क सुनिश्चित करता है कि सुनने में असमर्थ बच्चों और वयस्कों के लिए आधुनिक उपचार सेवाओं तक पहुंच अब कठिन नहीं रही। कॉक्लियर इम्प्लांट सेवाएं आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल की सबसे महंगी चिकित्सा प्रक्रियाओं में से एक हैं। निजी क्षेत्र में इसका खर्च सामान्यतः एक कान के लिए 6,00,000 से 10,00,000 रुपये के बीच आता है। अधिकांश परिवारों के लिए यह खर्च भारी कर्ज का कारण बनता था या वे मजबूरी में उपचार से वंचित रह जाते थे। भगवंत मान सरकार ने इस वित्तीय बाधा को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इस पहल के अंतर्गत इम्प्लांट उपकरण, सर्जरी, अस्पताल में भर्ती तथा सर्जरी के बाद की देखभाल पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की जा रही है। अब परिवारों को अपने बच्चे की सुनने और बोलने की क्षमता सुरक्षित करने के लिए अपना भविष्य दांव पर नहीं लगाना पड़ेगा। राज्य सरकार की यह पहल पूर्ण वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करती है, जो प्रभावित बच्चों को सम्मान और अवसर प्रदान करते हुए परिवारों को भारी आर्थिक बोझ से बचाती है। श्रवण शक्ति का विकार भारत की सबसे कम पहचानी जाने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। लगभग 6.3 प्रतिशत भारतीय आबादी श्रवण विकार से प्रभावित है। भारत में प्रत्येक 1,000 नवजात शिशुओं में लगभग 5 बच्चे गंभीर श्रवण विकार के साथ जन्म लेते हैं, जो वैश्विक औसत से अधिक है। इसके अतिरिक्त, अनुमानतः 5 प्रतिशत विद्यार्थियों में श्रवण समस्या का पता नहीं चल पाता, जिन्हें अक्सर अनजाने में धीमी गति से सीखने वाला या कम प्रदर्शन करने वाला समझ लिया जाता है। ये आंकड़े केवल चिकित्सीय ही नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक संकट को भी दर्शाते हैं। जिन बच्चों का उपचार नहीं किया जाता, वे अक्सर उपेक्षा और सामाजिक अलगाव का सामना करते हैं तथा उनके विकास की संभावनाएं कम हो जाती हैं।

मिसल सतलुज ने गुरदासपुर पुलिस मुठभेड़ की सीबीआई जांच कराने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखा पत्र

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

मिसल सतलुज के प्रधान सरदार अजेपाल सिंह बराड़ द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक विस्तृत पत्र लिखकर गुरदासपुर में हुई कथित पुलिस मुठभेड़ की समयबद्ध और निष्पक्ष जांच उील्ल३१' इ४१ीं४ ङ्म क्ल्ल५ी२३ॅ३ङ्गल्ल (सीबीआई) से कराने की मांग की गई है। यह पत्र केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नाम भेजे गए पत्र में गुरदासपुर में हुई पुलिस मुठभेड़ के हर पहलू को विस्तार से उठाया गया है। सरदार अजेपाल सिंह बराड़ ने अपने पत्र में लिखा है कि गुरदासपुर में एक सिख युवक की कथित पुलिस मुठभेड़ के दौरान हुई मृत्यु ने पंजाब के लोगों में गंभीर चिंता और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस घटना की

सच्चाई, वास्तविक तथ्यों तथा पुलिस द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे दावों की सत्यता को सामने लाने और घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए किसी केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच अत्यंत आवश्यक है।

अपने पत्र में प्रधान अजेपाल सिंह बराड़ ने यह भी उल्लेख किया कि 1980 से 1995 के दशक के दौरान पंजाब ने फर्जी मुठभेड़ों और मानवाधिकार उल्लंघनों का एक दुखद दौर देखा था। उन्होंने याद दिलाया कि मानवाधिकार कार्यकर्ता

जसवंत सिंह खालड़ा द्वारा उस समय उजागर की गई घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर दिया था। बाद में कई मामलों की जांच हुई और नकली पुलिस मुठभेड़ों के दोषी पुलिस अधिकारियों को सजा भी मिली।

सरदार बराड़ ने कहा कि यदि इस प्रकार की घटनाओं की पारदर्शी जांच नहीं होती है तो लोगों का कानून और प्रशासन पर विश्वास कमजोर होता है। इसलिए केंद्र सरकार को तत्काल हस्तक्षेप कर सीबीआई जांच को मंजूरी देनी चाहिए। जारी बयान में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस पुलिस मुठभेड़ को लेकर उठ रहे सवालों की गंभीरता को देखते हुए समयबद्ध और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए आगे आना चाहिए।

एसडी कॉलेज में आयोजित इकोनोफोरिया 2026 में 21 संस्थानों ने की भागीदारी, आर्थिक संवाद को मिला नया मंच

इकोनोफोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच, युवाओं ने पेश की विकसित भारत 2047 की रूपरेखा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट "इकोनोफोरिया 2026' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इक्नॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं, पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया। फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम ह्वविकसित भारत @2047 की रूपरेखाह्व रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इक्नॉमिक रिडल्स प्रतियोगिता में छात्रों की समझ और ज्ञान की परख की गई। इसमें मैक्रोइकॉनॉमिक्स, माइक्रोइकॉनॉमिक्स, सार्वजनिक वित्त, मौद्रिक अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र तथा विकास एवं कल्याण अर्थशास्त्र से जुड़े प्रश्न शामिल थे। एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत, गिग इकोनॉमी, एलपीजी सुधार, ट्रेड वॉर जैसे समकालीन आर्थिक विषयों पर तुरंत और विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने की चुनौती दी गई। क्विज प्रतियोगिता में छात्रों ने जटिल आर्थिक सिद्धांतों और वित्तीय नीतियों से जुड़े प्रश्नों पर आधारित कई चुनौतीपूर्ण राउंड्स में हिस्सा लिया। वहीं इको-तक्षरी एक अनूठा आयोजन रहा, जिसमें अर्थशास्त्र से जुड़े शब्दों की श्रृंखला बनाई गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रचनात्मकता, दृश्य प्रस्तुति और विश्लेषणात्मक सोच के माध्यम से आर्थिक अवधारणाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. रुचि शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए स्वयंसेवकों की मेहनत और पंजाब यूनिवर्सिटी के शिक्षकों के अमूल्य सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रमों का मूल्यांकन पंजाब यूनिवर्सिटी से आए प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। पीपीटी और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन डॉ. नितिन और प्रो. सुमन ने किया। इको-तक्षरी का मूल्यांकन डॉ. सरगम वासु और डॉ. क्रिस बिंद्रा द्वारा किया गया। क्विज और एक्सटेम्पोर प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन प्रो. हर्ष गांधार और प्रो. नीरज ने किया, जबकि ऐड मैड प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. अमित और डॉ. रीना परती ने किया।

संक्षिप्त-समाचार

कीमती भगत ने पंजाब गौ सेवा आयोग के वाइस चेयरमैन का पद संभाला

साहिबजादा अजीत सिंह नगर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में नियुक्त पंजाब गौ सेवा कमीशन के वाइस चेयरमैन श्री कीमती भगत ने आज कैबिनेट मंत्री श्री मोहिंदर भगत की उपस्थिति में अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री कीमती भगत के परिवारिक सदस्यों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में उनके समर्थक, साधु-संत तथा विभिन्न गौशालाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण करते हुए श्री कीमती भगत ने कहा कि वे पंजाब राज्य में बेसहारा गौमाता की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं के कारण हो रहे जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए वे राज्य के सभी उपायुक्तों तथा पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रयास करेंगे, ताकि इन पशुओं को गौशालाओं में आश्रय दिया जा सके। इस अवसर पर संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने नवनियुक्त वाइस चेयरमैन श्री कीमती भगत को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे राज्य में बेसहारा गौवंश की सेवा को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर बलजिंदर सिंह बंटी (वन विभाग के वाइस चेयरमैन), महंत रवि कांत जी (चेयरमैन, हिंदू वेलफेयर बोर्ड), श्री सतीश कुमार (राष्ट्रीय प्रधान, गौ रक्षा दल), अमृत भगत (प्रधान, सतगुरु कबीर सेना पंजाब), रमेश भगत, आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राजेश नारंग, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रीति सिंह, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. शाम सिंह तथा पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. उज्ज्वल गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विद्यार्थियों ने भारत स्काउटस एंड गाइड्स के राष्ट्रीय स्तर पर कब/बुलबुल उत्सव 2026 में लिया भाग

जैतो। चुन्नीलाल लाल सचदेवा डी.ए.वी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल जैतो के विद्यार्थियों ने मनजीत कौर भारत स्काउट्स एंड गाइड्स चंडीगढ़ , ओंकार सिंह एस.ओ.सी.(एस) पंजाब और प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर कब/बुलबुल उत्सव 2026 में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने इस कब/बुलबुल उत्सव में पांच दिन का कैंप लगाया।यह आयोजन भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय युवा परिसर, गदपुरी, हरियाणा में आयोजित किया गया। जब विद्यार्थी कब/ बुलबुल उत्सव में भाग लेकर वापिस आए तो प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा जी के नेतृत्व में इन विद्यार्थियों का स्कूल के प्रांगण में स्वागत किया गया। इस दिन को यादगार बनाते हुए इन सभी विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी बुलाया गया।बच्चों का स्वागत करते समय स्काउट्स एंड गाइड्स की अमनप्रीत मैम और रोहित सर, फलोक लिडर राजवीर कौर, कब मास्टर रणजीत सिंह और मंजू रानी मौजूद रहे। प्रधानाचार्या जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम आपसे उम्मीद करते हैं कि आप अपने माता-पिता, गुरुजनों और देश का सम्मान करेंगे् टीम भावना से कार्य करेंगे,प्रकृति से प्रेम करेंगे, पर्यावरण की रक्षा करेंगे और कोशिश करो के सिद्धांत को अपने जीवन में अपनाएँगे।आप ही देश का भविष्य हैं। आज जो संस्कार और गुण आप सीखेंगे, वो अच्छे संस्कार ही आपको एक आदर्श नागरिक बनाएंगे।मुझे विश्वास है कि आप सभी बुलबुल की तरह चंचल, साहसी और अनुशासित बनकर अपने विद्यालय और देश का नाम रोशन करेंगे।

एनसीएल ने एशिया और यूरोप में 2026 के सबसे ट्रेंडिंग क्रूज डेस्टिनेशन का खुलासा किया

चंडीगढ़। यात्रियों में अब 2026 के सबसे आकर्षक और ट्रेंड में चल रहे पर्यटन स्थलों को अधिक सोच-समझकर और बिना तनाव के घूमने की इच्छा बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए नॉर्वेजियन क्रूज लाइन (एनसीएल) के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर (एपीएसी) बेन एंगेल ने इस वर्ष के सबसे ज्यादा मांग वाले डेस्टिनेशन की जानकारी दी है और कुछ खास पोर्ट-इंटेंसिव (अधिक बंदरगाहों वाले) यात्रा कार्यक्रम चुने हैं, जो इन जगहों को करीब से देखने का अवसर देते हैं। रचनात्मक ऊर्जा से भरपूर रीगा एक यूनेस्को सूचीबद्ध खूबसूरत शहर है, जो अपने मध्ययुगीन ओल्ड टाउन, शानदार आर्ट नोव्यू वास्तुकला – खासकर अल्बर्टा स्ट्रीट – और जीवंत सेंट्रल मार्केट के लिए प्रसिद्ध है। 23 सितंबर 2026 को नॉर्वेजियन सन पर रवाना होने वाला 9-दिवसीये बाल्टिकः जर्मनी, नॉर्वे और स्वीडनह्व क्रूज कोपेनहेगन (डेनमार्क) से हेलसिंकी (फिनलैंड) तक जाएगा। इस यात्रा में लगभग हर दिन एक नया पोर्ट देखने का अवसर मिलेगा।

होली से पहले 22 प्रकार की गुजिया की विशेष श्रृंखला

चंडीगढ़। ट्राइसिटी में स्वाद, परंपरा और प्रीमियम आतिथ्य का नया अध्याय जुड़ गया है। पंचकूला के प्रसिद्ध सेक्टर-11 मार्केट में जनता प्रीमियम - स्वीट्स बेकरी एंड रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। आउटलेट 6000 वर्ग फीट(ग्राउंड फ्लोर एवं बेसमेंट) में फैला हुआ है। यह नया प्रतिष्ठान लजीज मिठाइयों, ताजा बेकरी उत्पादों और मल्टी-कुजीन व्यंजनों के लिए एक विशेष गंतव्य के रूप में स्थापित किया गया है। गुणवत्ता, शुद्धता और त्योहारों की खुशियों को प्राथमिकता देते हुए यह रेस्टोरेंट क्षेत्र की आतिथ्य परंपरा को नई पहचान देने का वादा करता है। होली के पावन पर्व से ठीक पहले रेस्टोरेंट ने विभिन्न प्रकार की गुजिया की विशेष तैयारी पर ध्यान केंद्रित किया है। गुजिया एक लोकप्रिय पारंपरिक मिठाई है, जो मुख्य रूप से होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर बनाई जाती है। इस अवसर पर एक्सक्लूसिव होली गुजिया फेस्टिवल की घोषणा की गई, जिसमें 22 प्रकार की गुजिया पेश की जा रही हैं।

कैट कंसल्ट और चंडीगढ़ केनल क्लब आपसी सहयोग से चंडीगढ़ पेट एक्सपो 2026 की करेगा मेजबानी

चंडीगढ़। पेट इंडस्ट्री के प्रोफेशनल्स, पेट पेरेंट्स और पेट्स का नॉर्थ इंडिया का सबसे बड़ा जमावड़ा, चंडीगढ़ पेट एक्सपो-सीपैक्स 2026 और 79वां ऑल ब्रीड डॉग शो और 80वां और 81वां ऑल ब्रीड्स पॉइंटेड चैंपियनशिप डॉग शो 28 फरवरी 2026 को परेड ग्राउंड, सेक्टर 17, चंडीगढ़ में होगा। यह 1 मार्च, 2026 तक चलेगा। टाइमिंग सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक है। यह शो कैट कंसल्ट, चंडीगढ़ केनेल क्लब, डिपार्टमेंट ऑफ एनिमल हसबैंड्री के साथ मिलकर ऑर्गनाइज कर रहा है। सीपैक्स 2026 का उद्घाटन पंजाब सरकार के पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य विभाग के मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुंडिया करेंगे। मीडिया से बातचीत करते हुए कैट कंसल्ट के सीईओ श्री रमिंदर सिंह ने कहा कि एकल परिवारों में वृद्धि के साथ पालतू जानवरों का महत्व बढ़ रहा है और यह प्रदर्शनी सभी हितधारकों को पालतू जानवरों के कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

डिजाइन से मैन्युफैक्चरिंग तक भारत के पथ निर्माण हेतु बैंगलुरु में आरंभ हुआ आईईएसए विजन समिट 2026

चंडीगढ़। इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) सेक्टर हेतु देश के प्रधान उद्योग निकाय, इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) ने बैंगलुरु के लीला भारतीय सिटी कन्वेंशन सेंटर में आईईएसए विजन समिट 2026 का उद्घाटन किया। इंडस्ट्री, सरकार और एकेडेमिया के सबसे तेज दिमागों को एकजुट करने वाले दो दिवसीय समिट - डिजाइन टू मैन्युफैक्चरिंगः सिनर्जी ऑफ प्रोडक्ट, प्रोडक्शन एंड स्किल - ने भारत के प्रोडक्ट नेशन बनने के सपने में एक बड़े बदलाव का इशारा दिया। उद्घाटन समारोह को सरकार के नेताओं, उद्योग जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों और दिग्गजों के एक प्रतिष्ठित समूह ने संबोधित किया, जिनमें शामिल थेः अमितेश कुमार सिन्हा, (सीईओ, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और अतिरिक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय); मनीष चड्ढा (जेएस, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार); डॉ एम एम त्रिपाठी (डीजी-एनआईईएलआईटी); श्री राहुल शरणप्पा, (आईएएस, निदेशक, आईटीबीटी विभाग आदि।

काबुल सहित कई जगहों पर पाकिस्तान के हवाई हमले, दोनों तरफ से बमबारी

अफगानों का कई पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर सैनिकों को मारने का दावा

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दशकों से चला आ रहा सीमा विवाद शुक्रवार को बड़े सैन्य संघर्ष में बदल गया है।पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा करते हुए काबुल और कंधार पर बमबारी की है। इससे पहले अफगानिस्तान ने पलटवार करते हुए सीमा पर हमले तेज कर बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया है। दोनों तरफ से बमबारी हो रही है।

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान की तरफ से पिछले सप्ताह किए गए हवाई हमलों का जवाब देते हुए अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात जवाबी कार्रवाई कर दावा किया कि उसने डूरंड लाइन पर करीब 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। इसके बाद पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' शुरू कर शुक्रवार तड़के काबुल, कंधार और पक्तिया में तालिबान के रक्षा ठिकानों पर बमबारी की। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा करते हुए कहा कि अब पाकिस्तान का धैर्य जवाब दे गया है।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पोस्ट में कहा, 'कायर पाकिस्तानी सेना ने काबुल, कंधार और पक्तिया के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए हैं लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।'

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकिस्तान के हमले की निंदा की है।उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, 'पाकिस्तानी विमानों ने एक बार फिर काबुल, कंधार और पक्तिया पर बमबारी की। अफगानिस्तानी लोग हर हाल में पूरी एकता के साथ अपनी प्यारी मातृभूमि की रक्षा करेंगे और आक्रामकता का साहस से जवाब देंगे। पाकिस्तान हिंसा और बमबारी से खुद को मुक्त नहीं कर सकता- ये समस्याएं उसने खुद पैदा की हैं लेकिन उसे अपनी नीति बदलनी होगी और अफगानिस्तान के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध, सम्मान और सभ्य संबंधों का मार्ग चुनना होगा।'

अफगानिस्तान का पलटवार

टोलो न्यूज़ ने अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के बयान के हवाले से बताया है कि सेना प्रमुख फसीहुद्दीन फितरत के आदेश पर डूरंड रेखा के पास पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर अफगान बलों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई गुरुवार रात 12:00 बजे समाप्त हो गई। इस अभियान में पाकिस्तानी सेना के 55 सैनिक मारे गए। अफगान बलों ने कुछ शव और सैकड़ों हल्के और भारी हथियार भी जब्त किए और कई सैनिकों को जिंदा पकड़ा। बयान में आगे कहा गया कि अभियान के दौरान, अफगान बलों ने पाकिस्तान के 19 चेक पोस्ट पर कब्जा कर लिया। इस अभियान में 8 अफगान सैनिकों की मौत हुई और 11 अन्य घायल हुए। जबकि तोरखम में शरणार्थियों के लिए बने अस्थायी शिविर पर पाकिस्तान के हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 13 लोग घायल हुए। मंत्रालय ने कहा कि यह अभियान पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अफगान क्षेत्र पर किए गए हवाई हमलों के जवाब में चलाया गया था। पिछले सप्ताह पाकिस्तान की एयर स्ट्राइकपिछले सप्ताह पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई इलाकों पर एयर स्ट्राइक किए जिसमें अफगानिस्तान शासन के मुताबिक महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 18 लोग मारे गए। हालांकि पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया था। पाकिस्तान का कहना था कि ये हमले पाकिस्तान में हाल ही में हुए आत्मघाती बम धमाकों के बाद किए गए थे।

मणिपुर में विभिन्न अभियानों में 6 उग्रवादी गिरफ्तार

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

मणिपुर के विभिन्न इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान चलाए गये धरपकड़ अभियान के दौरान विभिन्न उग्रवादी संगठनों के छह कैडरों को गिरफ्तार किया गया है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय से आज जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है कि बीते गुरुवार को सुरक्षा बलों ने पहले अभियान में पीआरईपीएके (पीआरओ) के एक सक्रिय कैडर थोकचोम राज सिंह (25) उर्फ इबुंगो को गिरफ्तार किया गया है। उसे इंफाल पश्चिम जिलांतर्गत घारी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया। दूसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने केसीपी (पीएससी) के एक सक्रिय कैडर पृथ्वीराज मोइरंगथेम उर्फ 3बी (26) को गिरफ्तार किया गया। उसे पुलिस ने इंफाल पूर्व जिले के इरिलबुंग थानांतर्गत उसके आवास से गिरफ्तार किया। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के दो कैडरों को इंफाल पूर्व जिले के याइंगंगपोकपी थानांतर्गत याइंगंगपोकपी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उसकी पहचान थिंगोम महेनजीत सिंह उर्फ अनाओ (22) और न्गांगबाम डेरिक सिंह (20) के रूप में की गयी है। उनके कब्जे से एक नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, एक डेटोनेटर, विभिन्न कैलिबर के 10 राउंड जिंदा राउंड कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया। चौथे अभियान में सुरक्षा बलों ने एक जबरन वसूली करने वाले, आरपीएफ/पीएलए के सक्रिय कैडर मोइरंगथेम जेनसन सिंह उर्फ अहेनबा उर्फ नाओबी (26) को गिरफ्तार किया। उसे इंफाल पूर्व जिले के हेइंगंग थानांतर्गत इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से आरपीएफ/पीएलए फाउंडेशन डे के तीन बैनर और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया। पांचवें अभियान में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर लोंगजाम याइफाबा एंगोम उर्फ नानाओ (30) को गिरफ्तार किया। उसे इंफाल वेस्ट जिला के वाहेंग खुमान एरिया से गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए। पुलिस गिरफ्तार उग्रवादियों से लगातार पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोना के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना आज 220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,61,670 रुपये से लेकर 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,340 रुपये से लेकर 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी शुरूआती कारोबार के दौरान 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,61,820 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर नेपाल पुलिस नाराज

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

नेपाल में गत वर्ष 8 और 9 सितंबर को हुए 'जेनजी आंदोलन' पर बीबीसी वर्ल्ड सर्विस द्वारा प्रसारित की गई एक डॉक्यूमेंट्री को लेकर नेपाल पुलिस ने कड़ा ऐतराज जताया है और बीबीसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

बीबीसी की इस 41 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में दो दिनों की घटनाओं के फुटेज के साथ नेपाली पुलिस पर युवाओं पर शत्रुता की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया गया है और गोली चलने की घटना के लिए तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चंद्र बहादुर खापुंग मुख्य जिम्मेदार ठहराया गया है। गत 8 सितंबर 2025 को हुए आंदोलन में 19 युवाओं की गोली लगने से मृत्यु हुई थी। गोली चलने से पहले प्रदर्शनकारियों द्वारा संसद भवन पर हमला किए जाने और पुलिस पर पथराव किए जाने के दृश्य डॉक्यूमेंट्री में दिखाए गए हैं। नेपाल पुलिस का कहना है कि यह डॉक्यूमेंट्री उसे बदनाम करने के लिए बनाई गई है। प्रदर्शनकारी पुलिस की बैरिकेड तोड़कर संसद भवन की ओर बढ़े थे। संसद भवन की दीवार तोड़ने और गेट में आग लगाने के बाद पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौछार का प्रयोग किया, जैसा कि डॉक्यूमेंट्री में दिखाया गया है। लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे नहीं हटे, जिसके बाद गोली चलाई गई। अग्रिम पंक्ति में न होने के बावजूद कुछ अन्य युवाओं को भी गोली लगी।

नेपाल पुलिस के तरफ से एक बयान जारी कर डॉक्यूमेंट्री के शीर्षक 'दुश्मन की तरह गोली मारी गई' जैसे शब्दों का प्रयोग करने पर अपनी आपत्ति जताई है। पुलिस का मानना है कि इस तरह का हेडलाइन देकर बीबीसी पुलिस को बदनाम करने और सनसनी फैलाने का प्रयास किया है। डॉक्यूमेंट्री में उस दिन गोली चलने की घटना के लिए तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चंद्र बहादुर खापुंग मुख्य जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की गई है। पुलिस की आंतरिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बीबीसी ने दावा किया है कि पुलिस प्रमुख खापुंग के आदेश पर गोली चलाई गई। रिपोर्ट में पुलिस 'लॉग' का हवाला देते हुए बताया गया है कि 'पीटर 1' कॉलसाइन से गोली चलाने का आदेश आया था। रिपोर्ट के अनुसार 'पीटर 1' कॉलसाइन तत्कालीन आईजीपी का था। रिपोर्ट के मुताबिक, फील्ड में मौजूद पुलिसकर्मियों द्वारा बार-बार आदेश मांगे जाने पर खापुंग ने कॉलसाइन के माध्यम से कहा था, कर्फ्यू लागू हो चुका है। अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। आवश्यक बल प्रयोग करें। इसी आधार पर बीबीसी ने तत्कालीन आईजीपी खापुंग को मुख्य जिम्मेदार बताते हुए आरोपित किया है। हालांकि, घटना में राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका के संबंध में डॉक्यूमेंट्री में कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

फोटोः हि.स.

केंद्रीय पुलिस प्रवक्ता उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अविनारायण काफ्ले ने कहा कि रिपोर्ट में उल्लिखित पुलिस कॉलसाइन संवाद आधिकारिक नहीं हैं। उन्होंने कहा, जब स्वयं डॉक्यूमेंट्री में यह कहा गया है कि संवाद विभिन्न फुटेज के आधार पर संकलित किए गए हैं, तो उनकी वैधानिकता पर प्रश्न उठता है। पुलिस से संबंधित विषयों में सीधे हमसे पूछा जा सकता है, इस प्रकार कठिन तरीके से संकलन करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन पहले ही पत्रकार सम्मेलन के माध्यम से घटना से संबंधित उपलब्ध सभी तथ्यों को सार्वजनिक कर चुका है, ऐसे में मनमाने ढंग से कोई रिपोर्ट या डॉक्यूमेंट्री बनाया जान बीबीसी की अतिरंजित पत्रकारिता है।

संक्षिप्त-समाचार

सेवानिवृत्त जिला आयुक्त के बेटे समेत छह गिरफ्तार

गुवाहाटी। गुवाहाटी की दिसपुर पुलिस ने सेवानिवृत्त जिला आयुक्त के बेटे समेत छह युवकों को पिस्तौल समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सेवानिवृत्त आयुक्त विभाश दास के बेटे वादिक मोदी पिस्तौल लेकर गणेशगुरी इलाके में सड़क पर अपने अन्य साथियों के साथ तांडव मचाते देखा गया। शिकायत मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने पिस्तौल समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान वादिक मोदी, दिगंत हालोई, वसीम अख्तर, अमित भैमिक, जीतू बर्मन और तनीषा शर्मा के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में आर्म्स एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी आरोपितों से सघन पूछताछ कर रही है।

धनबाद की एजेंसी पर कार्रवाई के निर्देश

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन शुक्रवार को राज्य के विभिन्न जिलों, विशेषकर धनबाद में बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट की कमी और कचरे के समय पर निष्पादन नहीं होने का मामला सदन में जोर-शोर से उठाया गया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के विधायक चंद्रदेव महतो ने प्रश्न उठाते हुए कहा कि जिन जिलों में बायो मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित हैं, वहां भी कचरे का समय पर निष्पादन नहीं हो रहा है। उन्होंने विशेष रूप से धनबाद का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि वहां कार्यरत एजेंसी अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नहीं निभा रही है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज अधीक्षक द्वारा एजेंसी के खिलाफ शिकायत किए जाने की जानकारी भी सदन में दी। इस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि राज्य के छह जिलों में बायो मेडिकल वेस्ट निष्पादन प्लांट संचालित हैं और आने वाले समय में अन्य प्रमुख अस्पतालों में भी ऐसे प्लांट स्थापित किए जाएंगे। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विधायक चंद्रदेव महतो ने धनबाद की संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग दोहराई। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी हस्तक्षेप करते हुए कहा कि जब मामला सदन में उठ चुका है तो सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सदन को आश्वस्त किया कि धनबाद में बायो मेडिकल वेस्ट निष्पादन का कार्य कर रही एजेंसी की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चुनावों में दलों की खर्च सीमा तय करने की याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव में राजनीतिक दलों के खर्च की सीमा तय करने की मांग पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग (ईसी) को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि छह हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका एनजीओ कॉमन कॉज ने दायर की है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों की ओर से धनबल का बेलगाम इस्तेमाल होता है। धनबल के अनियंत्रित इस्तेमाल से लोकतंत्र की बुनियाद प्रभावित होती है और चुनावी प्रक्रिया असंतुलित हो जाती है। प्रशांत भूषण ने कहा कि इलेक्टोरल बांड के मामले पर उच्चतम न्यायालय पहले ही ये मान चुका है कि अनियंत्रित धनबल लोकतांत्रित प्रकिया को विकृत करता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉय माल्या बागची ने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में भी चुनावी खर्च की सीमाएं हैं लेकिन वहां भी खर्च को उम्मीदवारों के मित्रों, सहयोगियों या तीसरे पक्षों के जरिये किए जाने जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं।

न्यायिक अधिकारियों को एसआईआर ट्रेनिंग पर आपत्ति पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे न्यायिक अधिकारियों को निर्वाचन आयोग की तरफ से ट्रेनिंग देने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि निर्वाचन आयोग प्रशिक्षण नहीं देगा तो कौन देगा। जो दस्तावेज एसआईआर के नोटिफिकेशन और हमारे आदेश में मान्य हैं, जज उन्हीं को स्वीकार करेंगे। आप व्यर्थ की आशंका मत जताइए। याचिका तृणमूल कांग्रेस ने दायर की थी। सुनवाई के दौरान तृणमूल कांग्रेस की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने कहा है कि डोमिसाइल सर्टिफिकेट मान्य नहीं होगा। तब जस्टिस बागची ने कहा कि अगर हमारे आदेश में होगा तो हम देखेंगे। उच्चतम न्यायालय ने 24 फरवरी को पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के एसआईआर में दावे और आपत्तियों का निपटारा करने के लिए राज्य के बाहर के न्यायिक अधिकारियों की तैनाती करने की अनुमति दे दी थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ कलकत्ता उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस से कहा कि वे इस काम में तीन साल के अनुभव वाले एडिशनल सिविल जजों के अलावा झारखंड और ओडिशा से भी न्यायिक अधिकारियों की तैनाती करें।

पुणे में दो वाहनों की टक्कर में 3 लोगों की मौत, 3 घायल

मुंबई। पुणे जिले के इंदापुर में पुणे-सोलापुर हाईवे पर बीती कार और पिकअप वाहन की टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में तीन घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई गई है। घटना की जांच कर रहे सहायक पुलिस निरीक्षक एक्सीडेंट विनोद महानगड़े ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि पुणे-सोलापुर हाईवे पर इंदापुर में बीती रात एक पिकअप वाहन पंक्चर हो जाने के बाद हाईवे के किनारे खड़ा कर दिया था , इसी दौरान एक अनियंत्रित कार ने पिकअप को टक्कर मार दी। इस कार में छह लोग सवार थे। कार पर सफर अदिति अमर हाटेकर (25), सखुबाई ईश्वर गेजगे (60) और जय अमर हाटेकर (2) की मौत हो गई, जबकि इस घटना में कार का ड्राइवर कबीरदास ईश्वर गेजगे (50), स्वाति कबीरदास गेजगे (34) और समृद्धि कबीरदास गेजगे (10) घायल हो गए। इनमें से ड्राईवर कबीरदास की हालत गंभीर है, जबकि दोनों घायलों की हालत स्थिर है। घटना की जानकारी मिलने पर भिगवन पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सूरत की कंपनी में हिंसा के बाद कड़े सुरक्षा प्रबंध

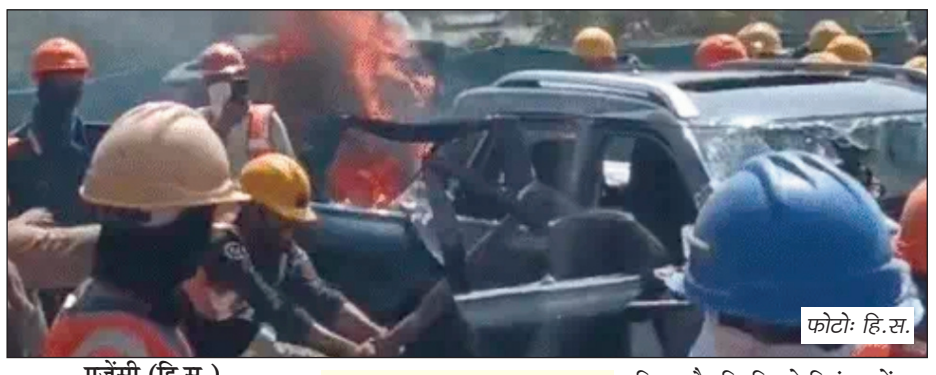
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
सूरत

हजीरा क्षेत्र पुलिस छावनी में बदला, कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी

सूरत के हजीरा स्थित एएम/एन एस कंपनी में गुरुवार को हुई हिंसक घटना के बाद शुक्रवार सुबह से ही पूरा हजीरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। एल-एन-टी के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों द्वारा किए गए पथराव और तोड़फोड़ के बाद किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में सभी इंडस्ट्रियल यूनिट्स में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई है और सघन कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

गुरुवार की घटना के असर शुक्रवार सुबह भी देखने को मिला। पुलिस के अनुसार, करीब 50 से अधिक एलएंडटी के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी फिर से एकत्रित हुए थे। हालांकि, पहले से तैनात पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी को वहां से हटा दिया और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

जांच में सामने आया है कि हिंसा भड़काने में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। हरियाणा के पानीपत में हुए श्रमिक आंदोलन के वीडियो व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप्स में वायरल कर कर्मचारियों को उकसाया गया था। कुछ मैसेज में पुलिस को निशाना बनाने की भी बात सामने आई है। फिलहाल साइबर सेल इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप ग्रुप्स पर कड़ी निगरानी रख रही है।

40 से अधिक पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

गुरुवार को हुए पथराव में डीसीपी शेफाली बरवाल समेत कई पुलिस अधिकारी घायल हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने अब तक 40 से अधिक उपद्रवी तत्वों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। साथ ही, अन्य अज्ञात लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच तेज कर दी गई है।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाईः डीसीपी

डीसीपी शेफाली बरवाल ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पुलिस का सोशल मीडिया मॉनिटरिंग यूनिट सक्रिय है और भड़काऊ पोस्ट या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे हजीरा क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का मामूली जोर भी बनाया, लेकिन इससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल पर कोई खास असर नहीं हो सका। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बढ़ने लगा, जिससे इन दोनों सूचकांकों की कमजोरी भी बढ़ती चली गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत लुढ़क कर कारोबार कर रहे थे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट लिमिटेड, एचसीएल टेक्नोलॉजी और विप्रो के शेयर 1.32 प्रतिशत से लेकर 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, मारुति सुजुकी, श्रीराम फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मैक्स हेल्थ केयर और कोल इंडिया के शेयर 1.44 प्रतिशत से लेकर 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभीतक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,603 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 907 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,696 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

टेक शेयरों में आई गिरावट, खासकर एनवीडिया के शेयरों में 5.50 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी आ जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,908.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 279.73 अंक यानी 1.21 प्रतिशत टूट कर 22,872.35 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 49,499.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,846.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत उछल कर 8,620.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 113.08 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,289.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर गिरावट का रुख नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

आबकारी घोटाला मामला **स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने दिए आदेश**

सीबीआई केस से केजरीवाल और सिसोदिया बरी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बरी कर दिया है। स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने दोनों को बरी करने का आदेश दिया।

कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में विफल रहा। कोई आपराधिक साजिश का साक्ष्य नहीं मिला। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कई बार सीबीआई पर नाराजगी जताई और सीबीआई की चार्जशीट पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि सीबीआई ने जो दस्तेवज दिए, वे चार्जशीट से मेल नहीं खाते हैं।

कोर्ट ने आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने पर 12 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में सीबीआई ने केजरीवाल और सिसोदिया समेत 23 लोगों को आरोपित बनाया था। सुनवाई के दौरान केजरीवाल की ओर से कहा गया था कि उनके खिलाफ कोई पुख्ता सबूत नहीं है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने कहा था कि केजरीवाल सरकारी काम कर रहे थे। इस बात के कोई साक्ष्य नहीं हैं कि केजरीवाल ने किसी से कहा हो कि साउथ लॉबी से पैसे मांगे। हरिहरन ने कहा कि केजरीवाल का नाम पहले तीन चार्जशीट में नहीं था।

उनका नाम चौथे पूरक चार्जशीट में आया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च, 2024 को अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 10 मई को उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को एक जून तक की अंतरिम जमानत दी थी जिसके बाद केजरीवाल ने 2 जून, 2024 को सरेंडर किया था। केजरीवाल को 26 जून, 2024 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने 10 मई, 2024 को छठी पूरक चार्जशीट दाखिल किया था जिसमें भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता, चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद सिंह को आरोपित बनाया गया है। कोर्ट ने 29 मई को छठे पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था।

उच्चतम न्यायालय ने 27 अगस्त को बीआरएस नेता के. कविता को सीबीआई और ईडी के मामले में जमानत दी थी। उच्चतम न्यायालय ने 13 सितंबर, 2024 को केजरीवाल को सीबीआई के मामले में नियमित जमानत दी थी। उसके पहले उच्चतम न्यायालय ने 12 जुलाई, 2024 को ईडी के मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी।

गेंदबाजी में और क्लिनिकल होना होगा: यादव

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्बे के बल्लेबाजों की खुलकर तारीफ की

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

आईसीसी टी 20 विश्व कप सुपर 8 चरण के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने वीरवार को जिम्बाब्बे पर 72 रनों की शानदार जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्बे की टीम निर्धारित ओवरों में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी।

मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने लीग चरण और पिछले मुकाबले की बातों को पीछे छोड़कर नए सिरे से शुरूआत की। उन्होंने कहा, हमने सोचा कि जो भी लीग चरण में हुआ या पिछले मैच में हुआ, उसे पीछे छोड़ दें। हमारे वीडियो विश्लेषक ने साल भर के प्रदर्शन की एक स्लाइड सभी बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लिए तैयार की थी। हमने उसे देखा और उससे काफी सकारात्मकता मिली। यहां आने के बाद शीर्ष क्रम से लेकर नंबर सात तक सभी बल्लेबाजों का योगदान देखना दिल को सुकून देने वाला था। हालांकि कप्तान ने माना कि गेंदबाजी में अभी सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने साफ कहा, अगर ईमानदारी से कहूं तो हम गेंद से थोड़ा और क्लिनिकल हो सकते थे। लेकिन दिन के अंत में जीत, जीत होती है। आगे बढ़ते हुए हम अपनी कमियों पर काम करेंगे और जब वेस्टइंडीज के खिलाफ उतरेंगे तो अपनी रणनीति और मजबूत करेंगे।

फोटोः हि.स.

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्बे के बल्लेबाजों की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं जिम्बाब्बे के बल्लेबाजों से कोई श्रेय नहीं छीनना चाहता। उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। पिच अच्छी थी, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में समय लिया और बाद में समझदारी से खेला। उन्हें भी पूरा श्रेय जाता है। हालांकि गेंदबाजी के नजरिए से हमें कुछ मौकों पर बेहतर विकल्प चुनने चाहिए थे।

आगामी मुकाबले को लेकर कप्तान ने संकेत दिए कि टीम को साहसिक फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा, ऐसी परिस्थितियों में हमें और ज्यादा साहसी बनना होगा और सकारात्मक रास्ता ही अपनाना होगा। कोलकाता पहुंचने के बाद हम बैठकर आराम का दिन है, फिर यात्रा करेंगे और खुद को तरोताजा रखेंगे।

अब सबकी नजरें वेस्टइंडीज के खिलाफ 1 मार्च को होने वाले अगले अहम मुकाबले पर टिकी हैं, जहां भारतीय टीम सेमीफाइनल में जगह बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी।

हम विपक्षी गेंदबाजों में खौफ देखना चाहते हैं: तिलक वर्मा

चेन्नई। तिलक वर्मा ने कहा कि शुरू में विकेट गंवाने के बावजूद भारत मौजूदा टी20 विश्व कप में अपने आक्रामक रवैए पर कायम रहेगा क्योंकि इससे विपक्षी टीम के गेंदबाजों में खौफ पैदा होता है। भारत ने सभी बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से जिंबॉब्वे के खिलाफ सुपर आठ मैच में चार विकेट पर 256 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इसके बाद 72 रन से आसान जीत दर्ज की। तिलक ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, हम बस ऐसा ही प्रदर्शन चाहते थे। हम एक टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर चर्चा की कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी खो दें तब भी आक्रामक अंदाज में ही बल्लेबाजी करेंगे। इस संदर्भ में तिलक ने संजू सैमसन की प्रशंसा की। रिंकू सिंह के स्थान पर अंतिम एकादश में शामिल किए गए सैमसन ने 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में 48 रन जोड़े। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरूआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी आत्मविश्वास बढ़ता है। संजू ने शानदार शुरूआत की। हमने इसको लेकर चर्चा की थी और हम विपक्षी गेंदबाजों में यह खौफ देखना चाहते हैं कि भारतीय बल्लेबाज हर गेंद पर जोरदार शॉट लगाने के लिए तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ के अपने पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज बुरी तरह लड़खड़ा गए थे और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले चर्चा की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में अपने प्रदर्शन को देखा। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का आत्मविश्वास बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी झिझक के अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

व्यक्तिगत नहीं टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है: कैगिसो रबाडा

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

कैगिसो रबाडा टी20 विश्व कप में अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जैसा वह चाहते थे लेकिन दक्षिण अफ्रीका का जीत का सिलसिला जारी है और इसलिए यह तेज गेंदबाज बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने से संतुष्ट है। दक्षिण अफ्रीका की गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ विकेट से जीत के बाद रबाडा ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत नहीं टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है। रबाडा ने अब तक टूर्नामेंट में केवल चार विकेट लिए हैं। वह न्यूजीलैंड, यूएई और भारत के खिलाफ विकेट लेने में नाकाम रहे थे।

उन्होंने सुझाव दिया कि जब तक टीम अच्छा प्रदर्शन करती रहेगी तब तक व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात नहीं की जा सकती है। ऐसी बात बाद में की जा सकती है। रबाडा को क्षेत्ररक्षकों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। अब तक उनकी गेंदबाजी पर चार कैच छूट चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर रबाडा ने कहा, यही क्रिकेट का खेल है। कई बार चीजें आपके पक्ष में होती है और कई बार नहीं। दुर्भाग्य से अभी ऐसा नहीं हो रहा है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जीत रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच अभी तक शानदार संतुलन देखने को मिला है और उन्होंने बहुत अच्छी तरह से तालमेल बिठाया है। उसके सभी खिलाड़ियों नेअपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। अगर डेविड मिलर ने एक मैच में टीम को जीत दिलाई तो कप्तान एडन मार्क्रम ने दूसरे मैच में यही कमाल किया। गेंदबाजों ने भी जरूरत पड़ने पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है, चाहे वो मार्को यानसन हों या लुंगी एनगिडी। रबाडा ने कहा, यह अच्छा संकेत है। हमारी टीम में काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। साथ ही कई युवा खिलाड़ी भी हैं। अगर आप सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखें, तो उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिलता है और यही आत्मविश्वास मैचों में भी दिख रहा है।

फोटोः हि.स.

उन्होंने इस सफलता का श्रेय घरेलू टूर्नामेंट एसए20 को भी दिया जिसमें विश्व कप से पहले कई प्रमुख खिलाड़ियों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल की। रबाडा ने कहा, यह लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और यह उम्मीद बनाए रखने से जुड़ा है कि चीजें हमारे पक्ष में हो जाएंगी।

रबाडा ने अपने लंबे समय से नए गेंद के अपने साथी लुंगी एनगिडी की प्रशंसा भी की जिन्होंने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, मैं लुंगी के लिए बहुत खुश हूं। पिछले दो से पांच वर्षों में उनके प्रदर्शन पर काफी करीबी नजर रखी गई थी। जब आप अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं तो हर कोई आपकी प्रशंसा करता है लेकिन जब आप अच्छा नहीं खेल रहे हो तो हर कोई आप पर सवाल उठाता है। वह मेरा बहुत अच्छा दोस्त है। उन्होंने कॉर्बिन बॉश के बारे में भी बात की और इन खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय सावधानीपूर्वक की गई कड़ी मेहनत और तैयारी को दिया। रबाडा ने इसके साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीका के आक्रमण में विविधता है जो टीम की सफलता में अहम भूमिका निभा रहा है।

क्रिकेट ऐसा ही है, मैं हमेशा उस स्थिति में नहीं रहूंगा: बेनेट

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने टी20 विश्व कप में शतक बनाने से तीन रन चूकने के बावजूद कहा कि अगर वह भारत के खिलाफ शतक बनाने में सफल रहते तो अच्छा होता लेकिन वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं। बेनेट की 97 रन की नाबाद पारी टीम के काम नहीं आई क्योंकि जिम्बाब्वे को भारतीय टीम के हाथों 72 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत में चार विकेट पर 256 रन बनाए थे जिसके जवाब में जिम्बाब्वे छह विकेट पर 184 रन ही बना पाया।

बेनेट ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, अच्छा होता अगर मैं शतक पूरा कर लेता। क्रिकेट में कभी-कभी ऐसा ही होता है। मैं हमेशा उस स्थिति में नहीं रहूंगा। मुझे खुशी है कि मैंने अच्छी पारी खेली लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सका। 250 रन से अधिक का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल था। इस

फोटोः हि.स.

22 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि अच्छी साझेदारी नहीं निभाने के कारण उनकी टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, जब भी कोई नया बल्लेबाज क्रीज पर उतरता तो मैं उससे यही कहता कि गेंद को अच्छी तरह से देखो और फिर उस पर शॉट लगाओ। मैं क्या कर रहा हूं इसकी चिंता मत करो, बस तुम अपना काम करो। हमारे लिए अच्छी साझेदारी निभाना जरूरी था। बेनेट ने पारी के 13वें ओवर में भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर लॉन्ग ऑन के ऊपर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

रिंकू सिंह पर टूटा दुखों का पहाड़, पिता का लीवर कैंसर से निधन

- विश्व कप ड्यूटी के बीच निजी क्षति

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज रिंकू सिंह के पिता खचंद्र सिंह का आज सुबह करीब 4 बजकर 36 मिनट पर स्टेज-4 लीवर कैंसर से लंबी जंग के बाद निधन हो गया। उन्होंने ग्रेटर नोएडा स्थित यथार्थ अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां हाल के दिनों में उनकी तबीयत बेहद नाजुक हो गई थी और उनका इलाज चल रहा था।

परिजनों के अनुसार खचंद्र सिंह वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे और उनकी हालत स्थिर करने के लिए डॉक्टर लगातार रीनल थेरेपी दे रहे थे। गहन चिकित्सा के बावजूद उनकी सेहत में तेजी से गिरावट आई और अंततः उनका निधन हो गया। यह दुखद घटना उस समय हुई जब रिंकू सिंह भारतीय टीम के साथ टी20 विश्व कप में व्यस्त थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 मुकाबले से पहले जब उनके पिता की हालत बिगड़ी थी, तब वह घर लौटे थे। बाद में वह चेन्नई में टीम से दोबारा जुड़ गए थे। हालांकि पिता के निधन के बाद वो वापस घर लौट गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में रिंकू सिंह

फोटोः हि.स.

अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं थे। टीम संयोजन में बदलाव करते हुए संजू सैमसन और अक्षर पटेल को शामिल किया गया था। संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में मौका मिला, ईशान किशन को नीचे भेजा गया और तिलक वर्मा को फिनिशर की भूमिका सौंपी गई। हालांकि रिंकू मैदान पर बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी टीम के साथ मौजूद रहे।

टूर्नामेंट में अब तक रिंकू सिंह पांच मुकाबले खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 24 रन बनाए हैं और फिनिशर की अपनी निर्धारित भूमिका निभाई है।

आगे खेलेंगे या नहीं संशय बरकरार

भारत को अब कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबला खेलना है, जो लगभग नॉकआउट जैसा है। ऐसे में रिंकू सिंह की उपलब्धता को लेकर संशय बना हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड या टीम प्रबंधन की ओर से अभी तक उनकी भागीदारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। टीम इंडिया जहां एक ओर महत्वपूर्ण मुकाबले की तैयारी कर रही है, वहीं खिलाड़ी अपने साथी के इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं।

हरभजन सिंह ने जताई संवेदना

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा, श्री खचंद्र सिंह जी के निधन का समाचार सुनकर बेहद दुख हुआ। टी20 विश्व कप के दौरान रिंकू और उनके परिवार के लिए यह समय बेहद कठिन है। मेरी संवेदनाएं उनके और उनके परिजनों के साथ हैं। वाहेगुरु दिवंगत आत्मा को शांति दें और शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें रिंकू सिंह के इस निजी शोक के बीच पूरा क्रिकेट जगत उनके साथ खड़ा है और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहा है।

गुकेश को याकूबोव ने ड्रॉ पर रोका, अरविंद ने नीमन को हराया

एजेंसी (हि.स.)
प्राग (चेक गणराज्य)

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोव के साथ अंक बांटकर एक और ड्रॉ खेला, लेकिन मौजूदा चैंपियन अरविंद चिदंबरम ने प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के दूसरे दौर में अमेरिका के हैंस मोके नीमन को हराकर सबको चौंका दिया। गुकेश लगातार दूसरी बाजी में सफेद मोहरों से खेल रहे थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और उन्हें लगातार दूसरे दौर में अंक बांटने पड़े। उन्होंने पहले दौर में नीमन के साथ भी बाजी ड्रॉ खेली थी। अरविंद ने फिलिडोर डिफेंस अपनाने की अपनी नई पसंद को जारी रखा, जबकि नीमन ने सफेद मोहरों से शुरूआती बढ़त हासिल कर ली। यह बाजी जब महत्वपूर्ण मोड़ पर थी तब अमेरिकी खिलाड़ी के पास समय कम पड़ गया जिसका अरविंद ने पूरा फायदा उठाकर जीत हासिल की। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक

अब्दुसत्तोरोव से पहले दौर में मिली हार के बाद चेन्नई के इस खिलाड़ी के लिए यह जीत बेहद खुशी देने वाली थी। एक अन्य मैच में स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो ने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट को हराया। अब जबकि सात दौर का खेल बाकी है तब अब्दुसत्तोरोव, याकूबोव और स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। इन तीनों के बाद गुकेश, अरविंद, वैन फोरेस्ट और गुइजारो का नंबर आता है जो उनसे आधे अंक से पीछे हैं। ईरान के परहम मगसूदलू, जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त विंसेंट कीमर और नीमन ने 10 खिलाड़ियों के नौ दौर के टूर्नामेंट में अभी आधा अंक ही हासिल किया है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वैज्ञानिक नवाचार की भावना का उत्सव

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर वर्ष 28 फरवरी को कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन आफ साइंस की प्रयोगशाला में काम करते हुए प्रख्यात भौतिक विज्ञानी सर सीवी रमन द्वारा की गई 'रमन प्रभाव' की खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस खोज के लिए उन्हें वर्ष 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर पूरे देश में विषय-वस्तु आधारित विज्ञान संचार गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। इस संबंध में पहले उत्सव का आयोजन 28 फरवरी, 1987 को हुआ था। यह एक ऐसी परंपरा की शुरूआत थी जो पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है। इस वर्ष का विषय #विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना है। यह भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने में युवा मस्तिष्क की भूमिका पर बल देता है, जो विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है, जिसका उद्देश्य एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत है।

क्यों मनाया जाता है विज्ञान दिवस

हर साल 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' सी.वी रमन द्वारा की गई खोज 'रमन प्रभाव' के उपलक्ष्य के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। उन्हें इस खोज के लिए भारत सरकार से नोबेल पुरस्कार भी मिला था। बता दें, भारत में हर साल 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाने के लिए सबसे पहला प्रस्ताव साल 1986 में राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद द्वारा पेश किया गया था। जिसके बाद 28 फरवरी, 1987 को भारत में पहला राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया था।

सी.वी रमन कौन थे

सी.वी रमन का पूरा नाम 'चंद्रशेखर वेंकट रमन' है। उन्हें भारत में उनके द्वारा किए गए वैज्ञानिक खोजों के लिए जाना जाता है। उनका जन्म तमिलनाडु के तिरुचिलापल्ली में 07 नवंबर, 1888 में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा विशाखापट्टनम के सेंट एलॉयसिस एंगलो-इंडियन हाईस्कूल से पूरी की थी। जिसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए मद्रास के प्रेसीडेंसी कॉलेज का रुख किया।

साल 2026 विज्ञान दिवस की थीम

हर साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारत में एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। यह थीम विज्ञान दिवस, विज्ञान और नवाचारों पर आधारित होती है। विशेष थीम के जरिये युवाओं को विज्ञान के प्रति जागरूक किया जाता है। बता दें, इस साल विज्ञान दिवस 2026 की थीम (Women in Science: Catalysing Viksit Bharat) है। इस थीम का मुख्य उद्देश्य विज्ञान क्षेत्र में विकसित भारत लक्ष्य के तहत साल 2047 तक विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

क्या था 'रमन प्रभाव'

सी.वी रमन ने 'रमन प्रभाव' की खोज की थी। उनकी खोज के मुताबिक प्रकाश कभी भी सीधी लाइन में नहीं चलता है। इसके साथ ही जब भी प्रकाश की किरणें किसी पारदर्शी माध्यम से टकराती हैं, तो उसके स्वभाव में परिवर्तन होता है। उनकी इसी खोज के कारण दुनिया को क्रिस्टल के आंतरिक संरचना के बारे में गहराई से जानने का अवसर मिला था।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उद्देश्य

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित व प्रेरित करना तथा जनसाधारण को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है। विज्ञान के बिना विकास की राह में तीव्रता से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है। विज्ञान से गलत धारणा और अंधविश्वासों (अन्धविश्वासों) का विनाश होता है। विज्ञान और तकनीक को प्रसिद्ध करने के साथ ही देश के नागरिकों को इस क्षेत्र मौका देकर नई ऊँचाइयों को हासिल करना भी इसका मुख्य उद्देश्य है। देश के विकास के लिए वैज्ञानिक सोच का प्रसार आवश्यक है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस जैसे आयोजन वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रसार में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध हो सकते हैं। विज्ञान के द्वारा ही हम समाज के लोगों का जीवन स्तर अधिक से अधिक खुशहाल बना सकते हैं। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान से होने वाले लाभों के प्रति समाज में जागरूकता लाने और वैज्ञानिक सोच पैदा करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस दिन सभी विज्ञान संस्थानों, जैसे राष्ट्रीय एवं अन्य विज्ञान प्रयोगशालाएं, विज्ञान अकादमियों, स्कूल और कॉलेज तथा प्रशिक्षण संस्थानों में विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों से संबंधित प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। महत्त्वपूर्ण आयोजनों में वैज्ञानिकों के भाषण, निबंध, लेखन, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, सेमिनार तथा संगोष्ठी इत्यादि सम्मिलित हैं। विज्ञान के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए राष्ट्रीय एवं दूसरे पुरस्कारों की घोषणा भी की जाती है। विज्ञान की लोकप्रियता को बढ़ाने के लिए विशेष पुरस्कार भी रखे गए हैं।

गौरवशाली विरासत

प्राचीन भारत ऋषियों और संतों के साथ-साथ विद्वानों और वैज्ञानिकों की भूमि भी थी। शोध से पता चला है कि दुनिया में सबसे अच्छा स्टील बनाने से लेकर दुनिया को गिनती करना सिखाने तक, भारत आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना से सदियों पहले से ही गणित और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा था।

उज्जवल भविष्य के लिए नवाचार को प्रोत्साहन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारत की वैज्ञानिक प्रगति और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का उत्सव मनाता है। क्वांटम कंप्यूटिंग, एआई, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और जलवायु अनुसंधान में प्रगति के साथ-साथ समावेशिता और युवा प्रतिभा को प्रोत्साहन देने वाली पहलों के साथ, भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित भविष्य को स्वरुप दे रहा है।भारत के विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ने के दौरान अनुसंधान और नवाचार में निरंतर निवेश वैश्विक नेतृत्व और सतत विकास के लिए अहम होगा।

प्रशासक ने सशक्त बाल महोत्सव-3.0 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज ह्यसशक्त बाल महोत्सवझ्र3.0ह्व के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह एक माह तक चलने वाला महोत्सव चंडीगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा उसके 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था। इस महोत्सव में सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा बाल देखभाल संस्थानों के बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। प्रशासक ने चित्रकला, निबंध लेखन, वाद-विवाद, श्लोक वाचन और नाट्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास का विकास करना था।

अपने संबोधन में प्रशासक ने कहा कि बच्चों का वास्तविक सशक्तिकरण उनके आत्मविश्वास, जागरूकता और किसी भी प्रकार के दुरुपयोग के विरुद्ध आवाज उठाने की क्षमता में निहित है। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बधाई दी।

उन्होंने बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने पर बल दिया तथा शिक्षकों और मार्गदर्शकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर उन्होंने बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम, 2012 के अंतर्गत तैयार उउढउफ की प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन भी किया, जिसका उद्देश्य बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और जागरूकता को बढ़ाना है।

उन्होंने बाल अधिकारों की रक्षा के लिए आयोग के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री सत्य पाल जैन; यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद; चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक डॉ. सागर प्रीत हुड्डा; सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक सुश्री पालीका अरोड़ा; तथा सीसीपीसीआर की अध्यक्षा सुश्री शिप्रा बंसल भी उपस्थित थीं।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्णः ज्ञानचंद गुप्ता

पूर्व स्पीकर ने विकसित भारत युवा संसद में भरा जोश, कहा— युवा ही देश की असली ताकत

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

सेक्टरऋ1 स्थित गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद 2026 उत्साह, ऊर्जा और प्रभावशाली विचारों से सराबोर रहा।

यह आयोजन भारत सरकार के अंतर्गत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत, पंचकूला के माध्यम से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज का युवा जागरूक, ऊजार्वान और संकल्पित है, जो देश को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। युवा केवल भविष्य नहीं, वर्तमान की शक्ति हैं, उनके इन शब्दों ने सभागार में उपस्थित प्रतिभागियों में उत्साह का संचार कर दिया।

कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शैलजा छाबड़ा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि युवा संसद जैसे मंच विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक परंपराओं की समझ, तार्किक चिंतन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रतियोगिता में पंचकूला जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने ओजस्वी और तथ्यपूर्ण प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया। निर्णायक मंडल में जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विनय वत्स, गवर्नमेंट कॉलेज रायपुररानी के असिस्टेंट प्रोफेसर सुनील दत्त, डॉ. जोगिंदर, सेक्टरझ्र1 महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व प्रोफेसर डॉ. सुभाष तथा वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेश मलकानिया शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनके तर्क, अभिव्यक्ति शैली और विषय की गहन समझ के आधार पर किया।

प्रतियोगिता परिणामों में एम.ए. प्रथम वर्ष के छात्र मोंटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान बी.कॉम प्रथम वर्ष के छात्र दृश्य चंदेल ने हासिल किया, जबकि तृतीय स्थान पत्रकारिता विभाग के छात्र अंकुश को प्राप्त हुआ। चौथे स्थान पर गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज फॉर विमेंस की बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा खुशी रहीं और पांचवां स्थान सेक्टरझ्र1 कॉलेज की छात्रा भूमिप्रिया ने प्राप्त किया।

ये सभी विजेता प्रतिभागी हरियाणा विधानसभा में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद में पंचकूला जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जिला स्तरीय युवा संसद के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा आयोजन की सफलता के लिए सभी अतिथियों, निर्णायकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में दयालु-2 योजना पर हुई पहली बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त एवं दयालु-2 योजना के चेयरमैन श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में जिला सचिवालय के सभागार में दयालु-2 योजना के क्रियान्वयन के लिए आज जिला स्तरीय समिति की पहली बैठक आयोजित हुई। श्री सतपाल शर्मा ने निर्देश दिए कि कोई पात्र व्यक्ति सरकार की योजना के लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए।

उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा सरकार ने किसी भी दुर्घटना में घायल या मृत नागरिकों के परिजनों को 1 लाख से 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए ह्यदयालु-2ह्व नामक योजना शुरू की है। उन्होंने बताया कि किसी दुर्घटना अथवा आवारा या पालतु पशु की टक्कर से किसी नागरिक की मृत्यु हो जाती है या वह गंभीर रूप से घायल हो जाता है, तो आयु वर्ग के अनुसार आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। 12 वर्ष तक की आयु के पीड़ितों को 1 लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष तक की आयु के पीड़ितों को 2 लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष तक की आयु के व्यक्तियों को 3 लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष तक की आयु के पीड़ितों को 5 लाख रुपये तथा 45 से 60 वर्ष तक की आयु के व्यक्तियों को 3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

इसके अलावा, यदि किसी नागरिक को कुत्ता काट लेता है, तो एक दांत के निशान पर 10 हजार रुपये तथा दो दांत के निशान पर 20 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसी प्रकार दुर्घटना में मामूली चोट लगने पर 10 हजार रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी। कमेटी मामले में विस्तार से जांच कर पीडित व्यक्ति को दी जाने वाली सहायता राशि का निर्णय करेगी।

श्री सुनील कुमार जाखड सांख्यिकी अधिकारी व कमेटी के सदस्य सचिव ने बताया कि बैठक में कुत्ता काटने के 9 मामलों पर उपायुक्त के समक्ष विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि यदि किसी बेसहारा या पालतू पशु की टक्कर से कोई व्यक्ति घायल हो जाता है, तो उसे भी योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना के तहत पात्रता के लिए दुर्घटना की एफआईआर या डीडीआर की प्रति, सीएमओ की रिपोर्ट, मेडिकल डिस्चार्ज रिपोर्ट, विकलांगता प्रमाण पत्र या मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। आवश्यकता पड़ने पर प्रत्यक्षदर्शी की गवाही भी ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। किसी भी अन्य जानकारी के लिए श्री सुनील कुमार जाखड़, नोडल अधिकारी, जिला पंचकूला से कक्ष संख्या 21-28, योजना भवन, सेक्टर-4, पंचकूला में संपर्क किया जा सकता है।

जिला स्तरीय दयालु-2 कमेटी में उपायुक्त चेयरमैन, सुनील जाखड, साख्यिकीय अधिकारी सदस्य सचिव, सुधीर कुमार प्रशासनिक अधिकारी सदस्य, डीसीपी सदस्य, सीएमओ सदस्य, आरटीए सदस्य शामिल है। इस अवसर पर एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया, संयुक्त आयुक्त सिमरनजीत कौर, सिविल सर्जन मुक्ता कुमार, प्रशासनिक अधिकारी सुधीर कुमार, एसीपी सुरेंद्र सिंह, वन अधिकारी संदीप सैनी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिले के चारों खंडों की बी पी आई यू सम्पन्न

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिले के चारों खंडों में ब्लॉक प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट की फरवरी माह की मासिक बैठकों का आयोजन सम्बंधित खंड शिक्षा अधिकारियों की अध्यक्षता में समापन हो गया जिसमें जिला ऍफ एल एन समन्वयक एवं जिला पंचकूला में निपुण के नोडल अधिकारी असिन्द्र कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठकों का आयोजन खंड पिंजौर में खंड शिक्षा अधिकारी कर्मवीर शर्मा, बरवाला में नरेन्द्र मलिक, मोरनी में शालिनी कपूर व रायपुर रानी में खंड शिक्षा अधिकारी संजू शर्मा की अध्यक्षता में बी पी आई यू का आयोजन किया गया जिसमें ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अंजली चहल, सविता, गुरुसेवक सिंह कुसुम लता व गीतिका नें पीपीटी के माध्यम से, थर्ड पार्टी असेसमेंट के कक्षावार, दक्षतावार विस्तृत परिणामों, मार्च में होने वाली फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी की व फाइनल असेसमेंट की तैयारियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। इसके साथ-साथ मेटर, मॉनिटर विजिट कंप्लायंस का भी रिव्यु किया गया। जिला पंचकूला के नये इनिशिएटिव के अंतर्गत मीटिंग के अंत में मीटिंग में पीपीटी के माध्यम से दर्शाए गये सभी बिन्दुओं पर सभी क्लस्टर मुखियाओं, मेंटोर्स हेतु निपुण क्विज का भी आयोजना किया गया जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मॉनीटर्स, मेंटोर्स को सम्मानित भी किया गया।

प्रत्येक बैठक में सम्बंधित खंड के समस्त क्लस्टर मुखिया, ब्लॉक ऍफ एल एन कोऑर्डिनेटर, मेंटोर्स उपस्थित रहे। खंड बरवाला की बी पी आई यू में निदेशालय से निशा भी शामिल हुई।

संक्षिप्त-समाचार

ओएसडी भारत भूषण भारती ने एमएलए हॉस्टल, हरियाणा में सीयू विद्यार्थियों से किया संवाद

पंचकूला। मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती ने चंडीगढ़ विश्विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर से सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा उनसे आत्मीय चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के कल्याण हेतु चलाई जा रही विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और युवाओं को इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से नेचर कैंप थापली में आयोजित दो दिवसीय भ्रमण के अनुभवों पर भी फीडबैक लिया तथा उनके सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि युवाओं के सुझाव सरकार के लिए मार्गदर्शक होते हैं और भविष्य की योजनाओं में उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

स्कूलों में बम धमकी की सूचना

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के कई निजी एवं सरकारी विद्यालयों में बम धमकी से संबंधित सूचना प्राप्त हुई। अलर्ट मिलते ही उँल्ल्र्रँ ढक्की तथा अन्य संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए। जिन विद्यालयों से धमकी की सूचना प्राप्त हुई, वे निम्नलिखित हैंः निजी विद्यालयः शिवालिक पब्लिक स्कूल, कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल, बैनियन ट्री स्कूल, चितकारा इंटरनेशनल स्कूल, कुंदन पब्लिक स्कूल, एकेएसआईपीएस-45, विवेक हाई स्कूल, सेंट जॉन्स स्कूल, गुरुकुल मनीमाजरा, दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), 3बीआरडी एयर फोर्स स्कूल, अंकुर पब्लिक स्कूल (सेक्टर-14), आशियाना पब्लिक स्कूल तथा डीसी मोंटेसरी स्कूल। सरकारी विद्यालयः जीएमएसएसएस-16, जीएमएसएसएस-10, जीएमएसएसएस-8, जीएमएचएस दड्डूमाजरा, जीएमएसएसएस-21, जीएमएचएस-41 तथा जीएमएचएस-48। सभी संबंधित विभागों ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस दलों, बम निरोधक दस्तों एवं अग्निशमन सेवाओं को प्रभावित विद्यालयों में तैनात किया गया। निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुसार परिसरों की गहन तलाशी एवं सैनिटाइजेशन किया गया। अब तक किसी भी विद्यालय में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। प्रारंभिक जांच में यह धमकी झूठी (होअक्स) प्रतीत होती है। तथापि, संदेशों के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों एवं आमजन से अपील है कि वे घबराएं नहीं और केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें। विद्यार्थियों एवं स्टाफ की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आवश्यक होने पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

61481 संदिग्द लाभर्थियों की सूची सौपी

चंडीगढ़। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लाभ केवल पात्र एवं वास्तविक लाभार्थियों तक ही पहुंच सुनिश्चित करने तथा पारदर्शिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा यू.टी. प्रशासन, चंडीगढ़ को 61,481 संदिग्ध लाभार्थियों की सूची उपलब्ध करवाई गई है। यह सूची आरसीएमएस (फ्ठटर) डाटा का भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों के डाटाबेस, जैसे सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स, सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम्स, मिनिस्ट्री आफ कॉर्पोरेट अफेयर्स, मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज तथा ढट-ङक्रअठ के साथ मिलान के उपरांत तैयार की गई है। संदिग्ध लाभार्थियों की पहचान आठ प्रमुख संकेतकों (ङढक्र) के आधार पर की गई है, जिनमें आधार स्थिति में संदेह, डुप्लिकेट लाभार्थी, सकल वार्षिक टर्नओवर, आय वर्ग, निदेशक के रूप में व्यक्तिगत स्थिति, भूमि स्वामित्व, 100 वर्ष से अधिक आयु का राशन कार्ड सदस्य तथा वाहन स्वामित्व शामिल हैं। इसके उपरांत खाद्य एवं आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा चिन्हित लाभार्थियों का व्यापक फील्ड सत्यापन अभियान चलाया गया। सत्यापन के दौरान कुछ लाभार्थी प्रथम दृष्टया अपात्र पाए गए हैं। अपात्रता के प्रमुख कारणों में लाभार्थियों की पुनरावृत्ति (डुप्लिकेशन), परिवार की वार्षिक आय ₹1.5 लाख से अधिक होना तथा आधार संबंधी विसंगतियां शामिल हैं। संबंधित लाभार्थियों से उनके अभिलेखित पते पर संपर्क कर उन्हें उनकी संभावित अपात्रता के संबंध में अवगत करा दिया गया है। उन्हें अंतिम अवसर प्रदान किया जाता है कि वे इस सूचना की जारी होने की तिथि से एक सप्ताह के भीतर अपने आपत्तियां/स्पष्टीकरण संबंधित प्रमाण-पत्रों सहित खाद्य एवं आपूर्ति कार्यालय, सेक्टर-17, चंडीगढ़ में प्रस्तुत करें। ऐसे लाभार्थियों की सूची विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में संबंधित लाभार्थी/परिवार का नाम प्रचलित नियमों के अनुसार ठक्रस्नअ लाभार्थी सूची से विलोपित कर दिया जाएगा। यह सूचना जनहित में जारी की जाती है।

फर्जी एनसीसी बी प्रमाण पत्र प्रकरण में बड़ी कार्रवाई तत्कालीन प्रोफेसर के विरुद्ध चालान पेश

चंडीगढ़/गुरुग्राम। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने भ्रष्टाचार एवं जालसाजी के एक गंभीर मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी सुनील पुत्र राजपाल, निवासी गांव कोयलपुर, तहसील मातनहेल, जिला झज्जर (तत्कालीन प्रोफेसर, बीसीए विभाग, अहीर कॉलेज, रेवाड़ी) के विरुद्ध माननीय न्यायालय, रेवाड़ी में चालान (चार्जशीट) प्रस्तुत किया है। ब्यूरो की जांच रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 120-बी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(डी)(2), 13(1)(डी)(3) के तहत आरोप अंकित किए गए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अहीर कॉलेज, रेवाड़ी में प्रोफेसर, बीसीए विभाग के पद पर रहते हुए एनसीसी अधिकारी एएनओ धीरज सांगवान एवं तत्कालीन प्राचार्य ओमकार सिंह से कथित मिलीभगत कर षड्यंत्रपूर्वक अपना दाखिला फर्जी तरीके से दशार्या। इसके आधार पर आरोपी ने अवैध रूप से एनसीसी का बी प्रमाण पत्र प्राप्त किया, जो शासकीय अभिलेखों के साथ छेड़छाड़ एवं धोखाधड़ी की श्रेणी में पाया गया। ब्यूरो द्वारा आरोपी के विरुद्ध धारा 193 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत प्रथम चालान माननीय न्यायालय श्री सौरभ कुमार, ए.एस.जे., रेवाड़ी में प्रस्तुत किया गया है।

सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट और एनर्जी कंजरवेशन पर चंडीगढ़ प्रशासन की वर्कशॉप

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

ऊर्जा प्रबंधन सेल (एटउ) / स्टेट डिज़िग्नेटेड एजेंसी इंजीनियरिंग विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा ट्रांसपोर्ट सेक्टर में एनर्जी कंजरवेशन और फ्यूल एफिशिएंसी पर होटल शिवलिक-व्यू, सेक्टर-17 में एक वर्कशॉप आयोजित की गई। वर्कशॉप का उद्घाटन मुख्य अभियंता सी.बी. ओझा ने किया। उन्होंने फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता कम करने और नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन का लक्ष्य वर्ष 2047 तक शहर को कार्बन-न्यूट्रल और नेट-जीरो बनाना है, जिसमें ऊर्जा प्रबंधन सेल अहम भूमिका निभा रहा है। तकनीकी सत्र पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. बी. आदिनारायण द्वारा लिया गया, जिसमें इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, अर्बन ट्रैफिक मैनेजमेंट और ट्रांसपोर्ट सेक्टर के पर्यावरणीय प्रभावों पर चर्चा की गई। उन्होंने फ्यूल एफिशिएंसी बढ़ाने, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने और स्मार्ट मोबिलिटी सॉल्यूशंस को अर्बन प्लानिंग में शामिल करने के व्यावहारिक उपाय बताए।

अन्य सत्रों में ईको-फ्रेंडली ड्राइविंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्टार-रेटेड टायर्स पर जानकारी दी गई। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस & टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी के अधिकारियों ने चंडीगढ़ की ईवी पॉलिसी और उपलब्ध इंसेंटिव्स की जानकारी दी। इंडियन आयल कॉरपोरेशन लिमिटिड के अधिकारियों ने एथेनॉल ब्लेंडिंग, एडवांस्ड लुब्रिकेंट्स और बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी के उपायों पर प्रस्तुति दी। ऊर्जा प्रबंधन सेल के प्रमुख श्री पवन कुमार शर्मा ने भी ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी साझा की। इस वर्कशॉप में लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें ट्रांसपोर्ट विभाग के अधिकारी, इंजीनियर, शिक्षाविद, टैक्सी ऑपरेटर और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे। कार्यक्रम का समापन सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट, रिन्यूएबल एनर्जी और एनर्जी एफिशिएंसी को बढ़ावा देने के आह्वान के साथ हुआ।

ई एस आई सी में निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कर्मचारी राज्य बीमा निगम श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में अपने योगदान के 75वें वर्ष को मना रहा है। इस अवसर पर आज दिनांक 27 फरवरी 2026 को कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा परिसर सेक्टर 16 फरीदाबाद में निगम के कर्मचारियों एवं उनके परिवार सदस्यों, संविदा कार्मिकों के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कर्मचारी राज्य बीमा निगम संगठित क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं एवं नकद हितलाभ जैसे बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ प्रदान करता है। निगम की स्थापना 24 फरवरी 1952 को हुई थी।

इस अवसर पर नेत्र, हृदय, हड्डी, स्त्री रोग, कैंसर रोग के विशेषज्ञों ने कार्मिकों की स्वास्थ्य जांच कर उनको परामर्श दिए। विभिन्न जांच जैसे ब्लड शुगर, बी पी, सी बी सी, एल एफ टी, के एफ टी, विटामिन डी3, लिपिड प्रोफाइल, एच बी ए 1 सी, थायराइड प्रोफाइल, पेप समियर, ओरल कैंसर स्क्रीनिंग की गई। इसके अतिरिक्त नेत्र जांच, बोन डेंसिटी जांच, ई सी जी जांच भी की गई। इस जांच शिविर में 150 से अधिक कार्मिकों तथा उनके परिवार सदस्यों ने विभिन्न जांच कराई व परामर्श लिए। इस शिविर का आयोजन एशियन अस्पताल फरीदाबाद, मेट्रो अस्पताल फरीदाबाद तथा पार्क अस्पताल फरीदाबाद के सहयोग से किया गया। इस कड़ी में 10 मार्च 2026 को कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में रोटरी क्लब फरीदाबाद के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें ई एस आई सी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा रक्तदान किया जाएगा साथ ही आमजन से विशेषकर सेक्टर -16 के आसपास रहने वाले निवासियों से अपील है कि वे इस शिविर में रक्तदान करके इस आयोजन को बड़े पैमाने पर सफल बनाएं।

सेहत

मांस, मछली और मुर्गी जैसे प्राकृतिक इ12 सोर्स में बायोअवेलेबल इ12

बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट में विटामिन इ12 का जरूरी रोल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईके रिसर्चर्स की एक नई स्टडी में बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट में विटामिन इ12 के जरूरी रोल पर जोर दिया गया है। पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी में पब्लिश हुई यह रिसर्च माता-पिता, हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स और पॉलिसी बनाने वालों को सबूतों पर आधारित जानकारी देती है ताकि पूरे देश में बच्चों के लिए हेल्दी नतीजे मिल सकें। इस स्टडी में विटामिन इ12 की कमी वाले 141 बच्चों को देखा गया। इस स्टडी में मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (टफक्र) और स्टैंडर्ड डेवलपमेंटल टूल्स का इस्तेमाल किया गया, जिससे इ12 के न्यूरोलॉजिकल असर के पक्के सबूत मिले। ट्रीटमेंट के बाद बच्चों में अलर्टनेस और डेवलपमेंट में तेजी से सुधार दिखा और ये नतीजे इ12 की थेराप्यूटिक क्षमता को कन्फर्म करते हैं, साथ ही यह भी बताते हैं कि जल्दी इलाज से इसे ठीक किया जा सकता है, हालांकि बुद्धि, सीखने और व्यवहार पर असर बना रह सकता है।

विटामिन इ12, एक पानी में घुलने वाला विटामिन है जो शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं के लिए जरूरी है। यह रेड ब्लड सेल बनने, उ्रअ सिंथेसिस और हेल्दी नर्वस सिस्टम को बनाए रखने में जरूरी भूमिका निभाता है। यह माइलिन प्रोडक्शन को सपोर्ट करता है - जो नर्व फाइबर के चारों ओर सुरक्षा कवच होता है - जिससे अच्छे नर्व सिग्नलिंग सुनिश्चित होती है। बढ़ते बच्चों के लिए, जिनका दिमाग ज़िंदगी के पहले साल में तेजी से बढ़ता है, इ12 खास तौर पर बहुत जरूरी है। इस दौरान तेजी से न्यूरल डेवलपमेंट, कॉग्निटिव ग्रोथ और मोटर स्किल्स सीखना होता है। कमी इन प्रोसेस में रुकावट डालती है, जिससे शायद देरी हो सकती है जो लंबे समय तक सीखने, बुद्धि और शारीरिक क्षमताओं पर असर डालती है। बड़ों में, सही इ12 एनीमिया और न्यूरल हेल्थ को रोककर एनर्जी लेवल, मूड को स्थिर रखने और कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ को बनाए रखता है। भारत की खाने की पसंद जागरूकता की जरूरत को बढ़ाती है। शाकाहार सांस्कृतिक, धार्मिक और नैतिक तरीकों से गहराई से जुड़ा हुआ है - मांस, मछली और मुर्गी जैसे प्राकृतिक इ12 सोर्स में बायोअवेलेबल इ12 होता है, जिससे जानवरों से मिलने वाले प्रोडक्ट्स या सप्लीमेंट्स या फोर्टिफिकेशन पर निर्भर रहना जरूरी हो जाता है। भारत में विटामिन इ12 की कमी शायद एक बड़ी न्यूट्रिशनल चुनौती है। कम्युनिटी सर्वे से पता चलता है कि गर्भवती महिलाओं, शाकाहारियों और बच्चों में इसकी दर ज्यादा है। भारत की 1.4 बिलियन आबादी में दुनिया का सबसे बड़ा शाकाहारी ग्रुप शामिल है। फिर भी, दूध, पनीर, दही और चीज जैसे लैक्टो-वेजिटेरियन ऑप्शन में थोड़ा इ12 मिलता है - जो अक्सर खराब क्वालिटी वाली डाइट या पक्के वीगन लोगों में काफी नहीं होता। जिन बच्चों को सिर्फ. ब्रेस्टफीडिंग होती है और जिनमें कमी होती है, उनमें ब्रेन ग्रोथ के लिए ठीक से सपोर्ट न मिलना चिंता की बात है। कमी वाली माँओं द्वारा 6 महीने से ज्यादा एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग कराना नुकसानदायक होता है। पैसे की दिक्कतें अलग-अलग तरह के न्यूट्रिशन को कम करती हैं, लेकिन इस स्टडी में बताया गया है कि मिडिल-क्लास परिवारों को भी खतरा है, जिससे पता चलता है कि यह सिर्फ. गरीबी की वजह से नहीं है। पीजीआई की स्टडी से पता चला कि बच्चों में इ12 की कमी से बच्चों का डेवलपमेंट खराब होता है, माइलस्टोन्स कम होते हैं, सुस्ती आती है और एनीमिया होता है। ज्यादा गंभीर रूप से प्रभावित बच्चों की स्किन काली पड़ जाती है और बाल हल्के रंग के हो जाते हैं। अक्सर इलाज न होने पर इन बच्चों में कंपकंपी होने लगती है। इनमें से ज्यादातर बच्चे पतले नहीं होते हैं और इससे हेल्थ के बारे में गलत सोच बनती है। लगभग 60% बच्चों के ब्रेन वॉल्यूम में कमी होती है, जिससे सिर का ठीक से ग्रोथ नहीं होता।

इस स्टडी से मुख्य बात यह है कि बच्चों में विटामिन इ12 की कमी का इलाज न करने से सीधे और बुरा असर दिमाग की ग्रोथ पर पड़ता है, जिससे लंबे समय तक खराब लर्निंग और कम अक्ल का खतरा हो सकता है। वेजिटेरियन मांओं को विटामिन इ12 की कमी के खतरे के बारे में खास तौर पर सावधान रहना चाहिए। खासकर 6 महीने से ज्यादा समय तक वेजिटेरियन मांओं द्वारा एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग बच्चे के दिमाग की ग्रोथ के लिए नुकसानदायक हो सकती है। विटामिन इ12 की एक सिंपल टैबलेट इस कमी को ठीक कर सकती है और यह मेंटल सब-नॉर्मलिटी का एक रोका जा सकने वाला कारण है। रिसर्च-बेस्ड पब्लिक हेल्थ स्ट्रेटेजी जैसे कि फोर्टिफिकेशन और रिस्क वाले लोगों के लिए सप्लीमेंटेशन आगे का रास्ता लगता है।